आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,बुधवार 25 फरवरी 2026 ■ फाल्गुन शुक्ल पक्ष-8 ■ वर्ष -41 ■ अंक-325 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 26 फरवरी 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

एनसीईआरटी की पुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के जिक्र पर भड़के सीजेआई

बोले- 'न्यायिक संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं दूँगा'

नई दिल्ली,25 फरवरी। देश की न्यायिक व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण विवाद उस समय खड़ा हो गया जब आठवीं कक्षा की एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान की नयी पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों के रूप में भ्रष्टाचार, लंबित मुकदमों की बड़ी संख्या और न्यायाधीशों की कमी का उल्लेख किया गया। इस विषय पर उच्चतम न्यायालय ने गंभीर आपत्ति जताते हुए स्वतः संज्ञान लिया और कहा कि न्यायपालिका की छवि को धूमिल करने की किसी को अनुमति नहीं दी जा सकती। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने इस प्रकरण को गंभीर बताते हुए कहा कि यह न्यायपालिका को बदनाम करने की सुनियोजित साजिश प्रतीत होती है। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, ''मैं किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं दूंगा। कानून अपना काम करेगा।'' उन्होंने कहा, ''संस्था के प्रमुख के रूप में मैंने अपना कर्तव्य निभाया है और संज्ञान लिया है... यह एक सोचा-समझा कदम प्रतीत होता है। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''कृपया कुछ दिनों तक प्रतीक्षा करें। अधिवक्ता और न्यायाधीश सभी परेशान हैं। सभी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश परेशान हैं। मैं इस मामले को स्वतः संज्ञान के तहत लूंगा। मैं किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं दूंगा। कानून अपना काम करेगा।'' वहीं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने कहा कि यह पुस्तक संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध प्रतीत होती है। हम आपको बता दें कि वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और मुकुल रोहतगी ने इस विषय को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष उठाया। उनका कहना था कि जब देश की जनता का इस संस्था पर सबसे अधिक भरोसा है, तब स्कूली बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाना आपत्तिजनक है। हम आपको बता दें कि विवादित अध्याय 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। पहले के संस्करणों में जहां न्यायालयों की संरचना, कार्यप्रणाली और न्याय तक पहुंच पर ध्यान केंद्रित था, वहीं नये संस्करण में व्यवस्था की चुनौतियों पर भी चर्चा की गयी है। 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' शीर्षक खंड में कहा गया है कि विभिन्न स्तरों पर लोगों को भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ सकता है और गरीब तथा वंचित वर्गों के लिए इससे न्याय तक पहुंच और कठिन हो सकती है। पुस्तक में यह भी उल्लेख है कि राज्य और केंद्र स्तर पर पारदर्शिता बढ़ाने तथा तकनीक के उपयोग से सुधार के प्रयास किये जा रहे हैं।पुस्तक में लंबित मुकदमों के आंकड़े भी दिये गये हैं। इसमें बताया गया है कि उच्चतम न्यायालय में लगभग 81 हजार मामले लंबित हैं, उच्च न्यायालयों में लगभग 62.40 लाख और जिला तथा अधीनस्थ न्यायालयों में करीब 4.70 करोड़ मामले लंबित हैं। ये आंकड़े न्याय प्रणाली पर बढ़ते बोझ को दर्शाते हैं। पुस्तक में केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के जरिये प्राप्त शिकायतों का भी उल्लेख है और बताया गया है कि 2017 से 2021 के बीच 1600 से अधिक शिकायतें दर्ज की गयीं।

विधायक देवेंद्र यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका

दुर्ग,25 फरवरी। दुर्ग जिले के भिलाई नगर विधानसभा से विधायक और कांग्रेस के कद्दावर नेता देवेंद्र यादव को सर्वोच्च न्यायालय से करारा झटका लगा है. भाजपा नेता और देवेंद्र यादव के खिलाफ विधानसभा में प्रत्याशी रहे प्रेम प्रकाश पांडे के द्वारा हाईकोर्ट में लगाए गए चुनाव याचिका के खिलाफ देवेंद्र यादव सुप्रीम कोर्ट गये थे.

सुप्रीम कोर्ट में देवेंद्र यादव ने एसएलपी दाखिल की थी. जिसे सुप्रीम कोर्ट ने निराधार मानकर खारिज कर दी. इसे विधायक देवेंद्र यादव के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है. भिलाई नगर से कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने 2018 और 2023 विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी. उन्होंने भाजपा के प्रत्याशी प्रेम प्रकाश पांडे को करारी शिकस्त दी थी. भाजपा के प्रत्याशी रहे प्रेम प्रकाश पांडे ने चुनाव में गलत हलफनामा देने का आधार बता हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर देवेंद्र यादव के निर्वाचन को चुनौती दी थी और उनका निर्वाचन निरस्त करने की मांग की थी. प्रेम प्रकाश पांडे की याचिका के अनुसार 2018 और 2023 के चुनावों में दिए गए शपथ पत्र में संपत्ति का मूल्य देवेंद्र यादव ने गलत दर्शाया था.

इसके अलावा चुनाव शपथ पत्र में आपराधिक प्रकरणों की जानकारी छुपाते हुए घोषित फरार आरोपी होने की जानकारी नहीं दी थी. यह एक अपराध की श्रेणी में आता है. इतना ही नहीं चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी जो भ्रष्ट आचरण माना जाता है, जिसके तहत भाजपा के प्रत्याशी प्रेम प्रकाश पांडे ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर देवेंद्र यादव का निर्वाचन निरस्त करने की मांग की थी.

देवेंद्र यादव ने हाईकोर्ट में लगी याचिका के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) लगा हस्तक्षेप करने की मांग की थी. पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद विशेष अनुमति याचिका को निराधार मानते हुए हस्तक्षेप से इनकार कर दिया और देवेंद्र यादव की याचिका खारिज कर दी.

'मैं न होता तो आज जिंदा न होते पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ': ट्रंप

वाशिंगटन,25 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर

के दौरान भारत-पाकिस्तान युद्ध को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप का ये बयान सामने आने के बाद विश्व की राजनीति में कोहराम मच गया है। एक बार फिर दोनों देशों का युद्ध रुकवाने का दावा करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं न होता तो आज पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ जिंदा न होते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाक प्रधानमंत्री को मारने का पूरा प्लान तैयार कर लिया था। ट्रंप ने कहा है कि अगर मैंने युद्ध में दखल न दिया होता तो पाकिस्तान प्रधानमंत्री मारे जाते। ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए हस्तक्षेप करके उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को मरने से बचाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि शरीफ ने उनसे कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने के लिए मैंने यदि दखल नहीं दिया होता तो पाकिस्तान में 3.5 करोड़ लोग मारे गए होते।' उन्होंने कहा, 'अपने पहले 10 महीनों में मैंने आठ युद्ध रुकवाएङ्घपाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध शुरू हो गया होता। लोगों का कहना है कि मैंने दखल नहीं दिया होता तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की मौत हो चुकी होती।

अश्लील कंटेंट पर 5 ओटीटी प्लेटफॉर्म ब्लॉक

नई दिल्ली,25 फरवरी। केंद्र सरकार ने अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट प्रसारित करने वाले पांच ओटीटी प्लेटफार्मों को मंगलवार को ब्लॉक कर दिया अधिकारियों ने बताया कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए मूडएक्सवीआइपी, कोयल प्लेप्रो, डिजी मूवीप्लेक्स, फील और जुगनू नाम के पांच ओटीटी प्लेटफार्म को ब्लॉक करने का आदेश जारी किया है। सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम 2021 और अश्लीलता विरोधी कानूनों के तहत इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को ओटीटी प्लेटफार्म को ब्लाक करने का निर्देश दिया है। ये नियम सार्वजनिक शालीनता बनाए रखने, राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने और डिजिटल प्लेटफार्मों पर नैतिक पत्रकारिता प्रथाओं को लागू करने के उद्देश्य से के उद्देश्य से बनाए गए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के अनुरूप यह कार्रवाई की गई है जो सरकार को विभिन्न कारणों से ऑनलाइन कंटेंट को ब्लाक करने का अधिकार देती है।

दिल्ली का नाम इंद्रप्रस्थ करने शाह को पत्र

नई दिल्ली,25 फरवरी। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सरकार से दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ करने का आग्रह किया, ताकि इसकी प्राचीन पहचान और सांस्कृतिक विरासत को फिर से स्थापित किया जा सके। पत्र में उन्होंने कहा कि भारत के प्राचीन सांस्कृतिक केंद्रों में दिल्ली का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि इंद्रप्रस्थ भारतीय सभ्यता की शाश्वत भावना का प्रतिनिधित्व करता है.

गिग वर्करों पर विधानसभा में तीखी बहस

रायपुर,25अप्रैल। छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रदेश में कार्यरत गिग वर्करों की स्थिति, उनके अधिकारों और राज्य स्तर पर नियमन की आवश्यकता को लेकर जोरदार चर्चा हुई. भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने प्रश्नकाल के दौरान सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा कि स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट और रैपिडो जैसी कंपनियों में काम कर रहे गिग वर्करों को संगठित मजदूरों की श्रेणी में रखा जाएगा या असंगठित में. अजय चंद्राकर ने कहा कि इससे पहले उन्होंने आउटसोर्सिंग कंपनियों को लेकर भी सवाल उठाया था, तब भी सरकार ने कहा था कि इस संबंध में कोई स्पष्ट कानून नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि आज भी वही स्थिति बनी हुई है. उन्होंने कहा गिग वर्कर मर रहे हैं और कंपनियां ऐश कर रही हैं. अजय चंद्राकर ने दस मिनट की डिलीवरी जैसे मॉडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि तेज डिलीवरी के दबाव में कई बार गिग वर्करों की जान जा रही है. मानवाधिकार संगठनों द्वारा भी इस मुद्दे पर लगातार चिंता जताई जा रही है. उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में सामाजिक सुरक्षा संहिता लागू होने के बावजूद अब तक स्पष्ट नियम नहीं बनाए गए हैं. जब तक नियम नहीं बनेंगे, छत्तीसगढ़ के युवा शोषण का शिकार होते रहेंगे. चंद्राकर ने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2025 में भारत सरकार को नोटिफिकेशन जारी करना पड़ा क्योंकि नियम नहीं बन सके थे, जबकि देश के कई राज्यों ने अपने स्तर पर नियम बना लिए हैं. उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या छत्तीसगढ़ समवर्ती सूची के अधिकार का उपयोग करते हुए अपना अलग अधिनियम या नियम बनाने पर विचार करेगा?

सीएसआर फंड पर विधानसभा में हंगामा

जब कलेक्टर को निर्देशित नहीं कर सकते तो मंत्री होने का क्या औचित्य है: भूपेश

छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के तीसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने सीएसआर फंड में पक्षपात का आरोप लगाते हुए कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. इस पर मंत्री के नकारात्मक जवाब पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जब कलेक्टर को निर्देशित नहीं कर सकते तो मंत्री होने का क्या औचित्य है?विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक ब्यास कश्यप ने सीएसआर फंड का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जांजगीर जिले में सीएसआर फंड में पारदर्शिता नहीं है. जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा का पालन नहीं हो रहा है. कलेक्टर अपनी मनमर्जी से राशि बाँट रहे हैं. जनप्रतिनिधियों की समिति का कोई औचित्य नहीं है. इस पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि सीएसआर को लेकर कोई समिति नहीं है. सीएसआर फंड का उपयोग गाँवों में हो सकता है. आपकी ओर से भी दो प्रस्ताव है. इस पर कांग्रेस विधायक ने कहा कि मंत्री जी प्रस्तावों पर घोषणा कर दें. कलेक्टर को कार्यों के लिए निर्देशित कर दें. इस पर मंत्री ने कहा कि मुझे घोषणा का अधिकार नहीं है. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जब कलेक्टर को निर्देशित नहीं कर सकते तो मंत्री होने का क्या औचित्य है?

फ़िलहाल न संगठित, न असंगठित : लखन देवांगन

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने सदन में जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि फिलहाल गिग वर्करों को न तो संगठित क्षेत्र में रखा गया है और न ही असंगठित क्षेत्र में. उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्करों को शामिल किया गया है और जैसे ही भारत सरकार इस संबंध में नियम अधिसूचित करेगी, राज्य सरकार उसका अनुसरण करेगी. मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने इस विषय पर एक समिति गठित की थी और उसकी प्रक्रिया जारी थी. इसी दौरान भारत सरकार द्वारा चार श्रम संहिताएं लागू की गईं, जिसके बाद राज्य की कार्यवाही केंद्र के अधिनियम के अनुरूप आगे बढ़ाई जा रही है.

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर घायल युवक को 40 मिनट में रायपुर पहुँचाया

दुर्ग,25 अप्रैल। जिले में यातायात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक गंभीर रूप से घायल युवक को जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर सराहनीय कार्य किया। एसएसपी दुर्ग श्री विजय अग्रवाल के निर्देशन में यह ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया गया, जिससे युवक को लगभग 40 मिनट में सुरक्षित रूप से रायपुर पहुँचाया जा सका। जानकारी के अनुसार 24 फरवरी को श्री शंकरा हॉस्पिटल, जुनवानी में भर्ती एक युवक को सिर में गंभीर चोट के चलते चिकित्सकों द्वारा उच्चस्तरीय उपचार के लिए रामकृष्ण हॉस्पिटल, रायपुर रेफर किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यातायात पुलिस दुर्ग को तत्काल सूचना दी गई।सूचना मिलते ही एसएसपी आईपीएस विजय अग्रवाल के निर्देश पर यातायात पुलिस ने त्वरित रणनीति बनाते हुए जुनवानी स्थित श्री शंकरा हॉस्पिटल से रायपुर स्थित रामकृष्ण हॉस्पिटल तक ग्रीन कॉरिडोर निर्मित किया। मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर यातायात को नियंत्रित एवं आवश्यकतानुसार डायवर्ट किया गया। वायरलेस संचार के माध्यम से एंबुलेंस

की सतत मॉनिटरिंग की गई, जिससे किसी भी स्तर पर बाधा उत्पन्न न हो। समन्वित प्रयासों के चलते एंबुलेंस को बिना किसी अवरोध के लगभग 40 मिनट में रायपुर अस्पताल तक सुरक्षित पहुँचाया गया, जहाँ घायल युवक का उपचार जारी है। इस पूरे अभियान में यातायात थाना प्रभारी सहित ड्यूटी में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस द्वारा किए गए इस मानवीय प्रयास की आमजन द्वारा सराहना की जा रही है।

राजस्व वसूली में सीएमओ फेल, निलंबित

कवर्धा,25 फरवरी। छत्तीसगढ़ शासन ने नगर पालिका परिषद पंडरिया के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) अभिताभ शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, 14 जनवरी 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में यह पाया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिसंबर 2025 तक संपत्तियों के नए कर (मांग) निर्धारण का कार्य नहीं किया गया। इसके चलते नगर पालिका की राजस्व वसूली अपेक्षित स्तर तक नहीं हो सकी। शासन ने इसे कर्तव्यों के प्रति उदासीनता मानते हुए गंभीर कदाचार की श्रेणी में रखा है।

राज्यसभा की दो सीटों के लिए अधिसूचना 26 फरवरी को

रायपुर, 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा की कुल 05 सीटों में से 02 सीटें आगामी 09 अप्रैल 2026 को रिक्त होने जा रही हैं। राज्यसभा सदस्य कवि तेजपाल सिंह तुलसी एवं फूलो देवी नेताम का कार्यकाल पूर्ण होने के कारण इन पदों पर निर्वाचन कराया जाएगा। रिक्त होने वाली इन सीटों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 18 फरवरी को प्रेस नोट जारी कर राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है।निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार अधिसूचना 26 फरवरी को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 05 मार्च निर्धारित की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की संवीक्षा 06 मार्च को की जाएगी।

छग हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

रायपुर,25 फरवरी। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद आज सुबह हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल हाई कोर्ट परिसर को खाली कराकर सील कर दिया। फिलहाल पुलिस और साइबर सेल ई मेल की जांच में जुटी है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय को उड़ाने की धमकी मिलने से बुधवार सुबह न्यायिक और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और हाई कोर्ट परिसर को तत्काल खाली करवा लिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर सील कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, कोर्ट को संदिग्ध धमकी मिलने के बाद रजिस्ट्रार कार्यालय ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। देखते ही देखते बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और एंटी-सैबोटाज टीम मौके पर पहुंच गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित प्रशासन के आला अधिकारी भी घटनास्थल पर डटे रहे और सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। कोर्ट परिसर में प्रवेश करने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया गया तथा आने-जाने वालों की सघन जांच शुरू की गई। धमकी की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट प्रशासन ने आज सूचीबद्ध सभी मामलों की सुनवाई से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की पीठ सहित कुल 22 अदालतों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। वकील, पक्षकार और न्यायालय कर्मचारी एहतियातन परिसर से बाहर रहे। कई वकीलों ने इसे सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए प्रशासन से स्थायी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

खेत में सागौन का अवैध चिरान

गरियाबंद,25 अप्रैल। देवभोग नगर से लगे एक खेत में सागौन लकड़ियों के अवैध चिरान का बड़ा मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने दबिश देकर मौके से 18 नग सागौन लठ्ठा, 2 नग चिरान और 2 आरा जब्त किए हैं। साथ ही लकड़ी काटने में लगे दो मजदूरों को हिरासत में लिया गया है। बिना अनुमति के पिछले एक साल में राजस्व भूमि पर मौजूद 150 से अधिक सागौन पेड़ कटवाकर बेचने वाला मुख्य सरगना मौके से फरार हो गया। दरअसल, नगर के राजापारा तालाब से महज 1 कीमी दूरी पर मौजूद एक खेत में सागौन पेड़ का अवैध चिरान बना कर बेचने का खेल लंबे समय से चल रहा था।

18 लठ्ठे के साथ 2 मजदूर पकड़ाए, मुख्य सरगना फरार

अवैध कारोबार की भनक लगते ही आज देवभोग रेंजर अश्वनी कुमार मुरचुलिया के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने मौके पर दबिश दिया। जहां दो मजदूर को सागौन लठ्ठा का चिरान बनाते रंगे हाथ पकड़ा। मौके पर एक आरोपी बैल जोड़ी से लठ्ठा लाते भी दिखा, लेकिन मौका देखकर फरार हो गया।

टिम में शामिल डिप्टी रेंजर फिरोज खान,फॉरेस्ट गार्ड लम्बोदर सोरी,केशरी नायक ने सहयोगियों के साथ मिल कार्यवाही शुरू किया। कटिंग करते मिले मजदूर खरत राम,अंगद राम दोनों निवासी पूरनापानी ने लिखित बयान में बताया कि वे देवभोग निवासी बलभद्र नागेश के लिए लंबे समय से काम करते है,उन्हें रोजाना मजदूरी दिया करता था। जिसके बाद फॉरेस्ट की टिम ने मुख्य आरोपी बलभद्र के खिलाफ

भारतीय वन अधिनियम के तहत पीओआर दर्ज की कार्रवाई किया है। टिम ने दिन भर में 4 मर्तबा आरोपी के घर में दबिश दिया, जो नदारद मिला। रेंजर अश्वनी कुमार मुर्चुलिया ने बताया कि 0.708 घन मीटर के 18 नग लठ्ठा और 0.024 घन मीटर के 2 नग चिरान समेत आरा जब्त किया गया है। जब्त इमारती की सरकारी कीमत 40526 आकी गई है। जल्द ही मुख्य आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किया जाएगा। खेतों के आसपास कटे पेड़ों के ठूठ की गिनती कर भू स्वामी को भी नोटिस जारी कर, काटे गए पेड़ के लिए अनुमति की जानकारी ली जाएगी। नियम विरुद्ध पाया गया तो आवश्यक कार्रवाई होगी।

माओवादी मल्लेश ने एके-47 के साथ किया आत्मसमर्पण

कांकेर,25 अप्रैल। नक्सलवाद की खोखली विचारधारा से त्रस्त होकर अब नक्सली संगठन कमजोर पड़ते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई बड़े नक्सली नेताओं ने या तो आत्मसमर्पण किया है या पुलिस मुठभेड़ों में मारे गए हैं। इसी क्रम में, तेलंगाना में 5 करोड़ के इनामी नक्सली ने अपने 16 साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया है। वहीं, मंगलवार को कांकेर जिले के पखांजूर छोटेबेठिया में स्थित बीएसएफ 94वीं बटालियन में डीवीसीएम मल्लेश ने एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। मल्लेश कई नक्सली घटनाओं में वांछित था और उसकी तलाश लंबे समय से जारी थी।

जानकारी के अनुसार, डीवीसीएम रैंक का सक्रिय माओवादी मल्लेश कांकेर पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के समक्ष उपस्थित हुआ और आत्मसमर्पण किया। बताया जा रहा है कि, वह लंबे समय से नक्सली संगठन में सक्रिय था।

कोई लीडन न होने के चलते नक्सल संगठन को मल्लेश के आत्मसमर्पण से एक

बड़ा झटका लगा है। इससे यह साबित होता है कि अब नक्सली विचारधारा ने अपना प्रभाव खो दिया है और नक्सली मुख्यधारा में लौटकर सामान्य जीवन जीना चाहते हैं। इस तरह के आत्मसमर्पण नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण जीत को दर्शाते हैं।

जामुल में धूमधाम से मनाई गई सुमंत महाराज जयंती

सारथी बनना विश्वास और सौभाग्य का प्रतीक : रेखराम बंछोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 फरवरी। जामुल में सुमंत महाराज की जयंती वार्ड 10 सुभाष नगर में सूत सारथी समाज द्वारा भव्यता से मनाया गया। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्रीय सूत समाज के अध्यक्ष अनिल सारथी के नेतृत्व में यह आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमें समाज के होनहार बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरुस्कृत किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर, मुख्य वक्ता चंद्रप्रकाश मांडले, अति विशिष्ट अतिथि पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर, मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता, महामंत्री ओमप्रकाश साहू रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय पार्षद

श्रीमती रामप्यारी वर्मा के उपस्तिथि में सम्पन्न हुआ। पालिका अध्यक्ष ठाकुर ने समाज की उत्थान के लिए हर सम्भव सहयोग के लिए आश्वासन दिया। पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर ने अलग अलग अंचल से आये हुए समाजिक बंधुओं का अपनी उद्बोधन में स्वागत अभिनंदन किया और कहा कि सुमंत महाराज का जिला स्तरीय जयंती उत्सव हमारे जामुल नगर में होना जामुल के लिए गौरव की बात है। मुख्य वक्ता चंद्रप्रकाश मांडले ने में सुमंत जी महाराज की संक्षिप्त भूमिका का वर्णन करते हुए बताया कि राजा दशरथ के साम्राज्य में सुमंत जी की विशेष उपाधि थी। जब श्रीराम को बनवास जाना पड़ा तो राजा दशरथ ने अपने प्रिय और विश्वसनीय सुमंत को सारथी के रूप में बनवास भेजा। मांडले ने अपनी उद्बोधन में उपस्थित बच्चों को पुरस्कृत होते देख बाँकी बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि प्रयास का दूसरा नाम ही सफ्लता है। मंडल अध्यक्ष बंटी गुप्ता ने कहा कि सुमंत महाराज से न सिर्फ सारथी समाज बल्कि सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए जब भी विश्वास और जिम्मेदारी की बात आये तो सारथी बनकर कर्तव्य निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्रीमति रामप्यारी वर्मा ने कार्यक्रम के सफ्ल आयोजन के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल सारथी सहित पूरी टीम को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान सैकड़ो की संख्या में जनमानस उपस्थित रहे।

एक नजर

धारदार हथियार से प्राणघातक हमला करने वाले गिरफ्तार

भिलाई, 25 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। धारदार हथियार से प्राणघातक हमला करने वाले दो आरोपियों को पुरानी भिलाई थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ब्लेड बरामद कर लिया है पुरानी भिलाई पुलिस ने बताया कि प्रार्थी जग्गा ढीमर (24 साल) निवासी डबरापारा उत्तर थाना पुरानी भिलाई ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि पूर्व दिवस हुए विवाद के कारण आरोपियों ने उसे डबरापारा ओवरब्रिज के पास रोककर अश्लील गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा एक आरोपी ने धारदार हथियार (ब्लेड) से हमला किया गया एवं दूसरे आरोपी ने हाथ–मुक्का से मारपीट की। इससे प्रार्थी को गला, बाएं कंधे एवं बाएं हाथ के अंगूठे में चोट आई। रिपोर्ट पर मामले में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान आरोपी दीपक भारती (19 साल) निवासी डबरापारा शिव मंदिर के पास ओवरब्रिज के नीचे पुरानी भिलाई और पवन भारती (22 साल) निवासी डबरापारा शिव मंदिर के पास ओवरब्रिज के नीचे पुरानी भिलाई को गिरफ्तार किया है।

सब्जी वाले से अज्ञात बाइक सवारों ने 1.70 लाख रुपए लूट लिए

भिलाई, 25 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भट्ठी थाना क्षेत्र के बीती रात एक सब्जी व्यापारी से चलती गाड़ी में अज्ञात बाइक सवार बदमाश ने झोला छीनकर भाग गए झोले में लगभग 1.70 लाख नगद रखा था रिपोर्ट पर पुलिस मामले में धारा 304 (2) बीएनएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही है भट्ठी टीआई प्रकाश कांत ने बताया कि पावर हाउस निवासी महादेव विश्वकर्मा मरोदा मार्केट में सब्जी बेचता है रोज की तरह सब्जी दुकान लगाकर अपने वाहन से घर जा रहा था। पावरहाउस ओवरब्रिज के पास पहुंचा था कि पीछे से मोटर साइकिल में सवार दो बदमाश आए और चलती गाड़ी से झोले को छीनकर भाग गए इधर व्यापारी महादेव थाने पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच–पड़ताल की पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे और हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

युवकों ने पशु व्यापारी से भेड़ व नगदी 5 हजार रुपए छीन लिए

भिलाई, 25 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भेड़ और 5 हजार रुपए नगद छीनने वाले दो आरोपियों को सीसीटीवी फुटेज की मदद से कुम्हारी थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं तीसरे आरोपी की तलाश जारी है कुम्हारी प्रभारी पुरुषोत्तम कुर्रे ने बताया कि प्रार्थी प्रार्थी मोहम्मद अशरफउर्फसुल्तान कुरैशी (28 साल) निवासी अहिवारा भेड–बकरी खरीदी का काम करता है उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराया कि शाम अपनी मोटर साइकिल में भुपेन्द्र धनकर को बैठाकर अहिवारा से अकोला–कपसदा तरफगया था वहां से एक भेड़ को 2300 रुपए में खरीदकर मोट साइकिल से घर जा रहा था रास्ते में लगभग 6.15 बजे केडिया नाला के आगे पंचदेवरी तिराहा कच्चा मार्ग पर काले रंग की स्कूटी में सवार तीन अज्ञात युवकों ने उसका पीछा कर एक नग भेड़ एवं 5 हजार रुपए नगद छीनकर फरार हो गए। रिपोर्ट पर पुलिस मामले में धारा 304 (2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, संदिग्धों से पूछताछ तथा तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही आरोपियों को चिन्हित किया गया। पूछताछ में आरोपी राजू बेलदार (23 साल) निवासी बेलदारपारा कुम्हारी व राकेश सोरी (23 साल) निवासी रामनगर कुम्हारी ने अपराध स्वीकार किए जाने पर उनके कब्जे से एक भेड़ एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी वाहन जब्त कि या वहीं एक अन्य फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

सुभाष नगर में सारथी समाज ने सुमंत महाराज की जयंती मनाई

जामुल, 25 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। वार्ड 10 सुभाष नगर में सूत सारथी समाज द्वारा सुमंत महाराज की जयंती भव्यता के साथ मनाई गई। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्रीय सूत समाज के अध्यक्ष अनिल सारथी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय ग्रामीण अंचलों से समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। समाज के मेधावी एवं होनहार बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर, मुख्य वक्ता चंद्रप्रकाश मांडले, अति विशिष्ट अतिथि पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर, मंडल अध्यक्ष प्रशांत (बंटी) गुप्ता, महामंत्री ओमप्रकाश साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय पार्षद रामप्यारी वर्मा ने की।

भिलाई गुरुव्दारा में 7 व्यक्तियों ने पुन: सिख धर्म अपना कर की 'घर-वापसी'

धर्म परिवर्तन कर चुके सिखों की घर-वापसी के लिए हर संभव प्रयास करेंगे: इंद्रजीत सिंह छोटू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 फरवरी। सिख युवा सेवा समिति भिलाई, छत्तीसगढ़ द्वारा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू और छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के अध्यक्ष जसवीर सिंह चाहल के नेतृत्व में तथा भिलाई की समस्त गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों की उपस्थिति में यहाँ सुपेला स्थित गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह शहीदां में सात व्यक्तियों ने सिख धर्म और मानवता की सेवा के सिद्धांतों से प्रभावित होकर पुनः सिख धर्म अपना कर घर-वापसी की है। इन व्यक्तियों ने पिछले समय दौरान किन्हीं पारिवारिक परिस्थितियों या प्रलोभन के कारण अपना धर्म परिवर्तन कर लिया था।

इस अवसर पर सिख पंचायत के महासचिव गुरनाम सिंह और सिख युवा सेवा समिति के कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह

ने बताया कि आज आनंद साहिब के पाठ और अरदास के उपरांत गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथी सिंह सुरिंदर सिंह दर्दी ने हुक्मनामा लेकर इन सभी व्यक्तियों को सिरोपा भेंट कर उनकी घर-वापसी कराई।

'मानव सेवा, माधव सेवा' मिशन के तहत इस विशेष कार्य के लिए भिलाई के गणमान्य व्यक्तियों ने सिख युवा सेवा समिति और सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू के यत्नों की प्रशंसा की। इस मौके पर बोलते हुए इंद्रजीत छोटू ने कहा कि धर्म परिवर्तन करने वाले सभी सिखों की घर-वापसी के लिए पूरे प्रयास किए जाएंगे और उनकी जरूरतों व परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सिख समुदाय की सहायता से उनकी हर संभव मदद की जाएगी। भिलाई की समस्त गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के पदाधिकारियों ने इंद्रजीत सिंह छोटू को इस सराहनीय प्रयास के लिए बधाई भी दी।

इस घर-वापसी कार्यक्रम में अन्य लोगों के अलावा पलविंदर सिंह रंधावा, गुरमीत सिंह गांधी, बलजिंदर सिंह कलेर, बीबी कुलवंत कौर, तजिंदर सिंह, हरपाल सिंह, जसवंत सिंह खालसा, सुच्चा सिंह, पवित्र सिंह, त्रिलोचन सिंह, कुलदीप सिंह, रणजीत सिंह, सुखदेव सिंह लाडी, जगजीत सिंह सग्गू, अमन सिंह, निर्मल सिंह रंधावा, दिग्विजय सिंह, महिंदर सिंह और भारी संख्या में महिलाओं ने शिरकत की।

अंतरविभागीय खेल प्रतियोगिता 'जोश-2026' का समापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 फरवरी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा 2 से 16 फरवरी तक अंतरविभागीय खेल प्रतियोगिता जोश-2026 का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। लगभग एक दशक के अंतराल के पश्चात आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों, कार्मिकों एवं अधिकारियों के मध्य टीम भावना, सकारात्मक सोच, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं संगठन के प्रति जुड़ाव की भावना को सुदृढ़ करना था।

प्रतियोगिता के अंतर्गत 2 फरवरी से 14 फरवरी तक समस्त इनडोर खेलों का आयोजन हॉस्टल क्रमांक-2 एवं 3 में किया गया, जबकि 16 फरवरी को जयंती स्टेडियम में आउटडोर खेल प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। इस आयोजन में सभी ट्रेड अपरेंटिस, ए.सी.टी., ओ.सी.टी.

प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ विभागीय कार्मिकों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

समापन समारोह में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी (एच.आर.-एल. एंड डी.) संजीव श्रीवास्तव, महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जे.एन. ठाकुर, उप महाप्रबंधक (एच.आर.-एससीसीए) राजेन्द्र प्रसाद, महाप्रबंधक (एच.आर.-एल. एंड डी.) मुकुल सहारिया तथा उप महाप्रबंधक (एच.आर.-एल. एंड डी.) वाई एस जौहरी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि खेल गतिविधियां व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं सामूहिकता की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने इस आयोजन को आगामी वर्षों में भी निरंतर जारी रखने की अपेक्षा व्यक्त की। श्री संजीव श्रीवास्तव ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि जोश-2026 केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति को सशक्त करने की एक सार्थक पहल है। उन्होंने बताया कि 10 वर्षों के अंतराल के बाद इस प्रतियोगिता का पुनः आयोजन विभाग में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा। जोश-2026 के अंतर्गत प्रतियोगिताओं को दो श्रेणियों प्रशिक्षणार्थी एवं विभागीय श्रेणी में आयोजित किया गया। प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शॉटपुट, गोला फेंक, 100 मीटर दौड़, 400 मीटर रिले रेस तथा म्यूजिकल चेयर जैसी विभिन्न खेल विधाओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी क्षमता, समर्पण एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया। विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बाबा दरबार में जलेगी नारियल नींबु की होली

उतई, 25 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में 2 मार्च सोमवार को होलिका दहन किया जाएगा दुर्ग जिला संभाग से लगा हुआ धनोरा मे हर साल नारियल नींबु पुराना कपड़ा से होली जलाया जाता है इस तरह के पुरे छत्तीसगढ़ में मात्र बाबा दरबार धनोरा मे ही जलाए जाते हैं दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि होलिका दहन के रोज शाम 5 बजे सभी भकत गण दरबार के पास इकट्ठा होकर फ्रि नाला के पास दुर्ग रोड पर स्थित बघुवा के मुरती के पास पहुंच कर पुजा पाठ किया जाता है फ्रि लाल रंग के चुनरी कपरी पान मिश्री नींबु चढ़ हाकर एक एक करके बघुवा के पेट भीतर से पार होते हैं आगे बताया कि पेट भीतर से पार होने से सारे परेशानी दूर होते है फ्रि दरबार पहुंचकर सभी मिलजुल कर पुजा पाठ करके फ्रि दरबार के आगु होली का के पुजा पाठ करके नंद पंडा द्वारा चकमक के आग के चीगारी से होली जलाया जाता है फ्रि शरिर से नारियल नींबु पुराना कपड़ा उतार कर होली मे डाला जाता है जिनसे सारे परेशानी दूर होती है और मनोकामना पूर्ण होती हैं फ्रि गुलाब साहू के मंडली के द्वारा फाग गीत गाया जाता है जिनके आनंद मे सब झुमने लगते हैं और एक दुसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई देते हैं और अपने अपने घरों को जाते हैं इस कार्यक्रम में शामिल होने दुर दुर से लोग आते हैं और अपने अपने परेशानी दूर के लिए होलीका से प्राथना करते हैं और गांव के खुशहाली एवं सभी भक्तों की मनोकामना पूरी हो इनके लिए प्रार्थना करते हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने भोरमदेव मंदिर में पूजा करने के बाद पदभार ग्रहण किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 25 फरवरी। जिला पंचायत कबीरधाम के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने भोरमदेव मंदिर पहुंचकर बाबा भोरमदेव की पूजा अर्चना करने के बाद अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत कलेक्टर गोपाल वर्मा से सौजन्य मुलाकात भेंट की। जिला पंचायत के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी ली। नव नियुक्त सीईओ जिला पंचायत ने अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री, राज्य शासन एवं कलेक्टर कबीरधाम के निर्देशानुसार समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्तियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करना है। समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ निर्माण कार्यों से समग्र विकास की ओर बढ़ना लक्ष्य है। उन्होंने रोजगार, आजीविका एवं ग्रामीण परिवारों को उनका पक्का आवास समय पर मिले इसके लिए योजनाओं के बेहतर तालमेल से कार्य करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि नवनियुक्त

सीईओ जिला पंचायत राज्य प्रशासनिक सेवा 2013 बैच के अधिकारी है तथा मूल पद अपर कलेक्टर है। इससे पहले अभिषेक अग्रवाल ने अपनी सेवाएं विभिन्न स्थान पर दी है। प्रथम नियुक्ति जिला महासमुंद में डिप्टी कलेक्टर के रूप में होने के उपरांत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग पिथौरा, सरायपाली, कटघोरा, बोड़ला तथा अपर कलेक्टर जिला दंतेवाड़ा, अपर आयुक्त नगर निगम रायपुर, उपसचिव गृह विभाग एवं अपर कलेक्टर जिला दुर्ग में पदस्थ रहे है।

'नराकास, भिलाई-दुर्ग' की 62वीं छमाही बैठक सभागार में आयोजित

नराकास का इतिहास आरंभ से ही रहा है गौरवशाली : नरेन्द्र मेहरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 25 फरवरी। 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग' की 62वीं छमाही बैठक दिनांक 24 फरवरी 2026 को सिविक सेन्टर स्थित भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में उप निदेशक, (कार्यान्वयन) एवं कार्यालयाध्यक्ष, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल नरेन्द्र सिंह मेहरा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग चित्त रंजन महापात्र ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) भिलाई इस्पात संयंत्र पवन कुमार उपस्थित थे।

सर्वप्रथम अतिथिगण ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क व प्रशासन एवं जनसंपर्क) भि.इ.सं. अमूल्य प्रियदर्शी एवं महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन, जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) भि.इ.सं. तथा सचिव, नराकास, भिलाई-दुर्ग राजीव कुमार ने शॉल, श्रीफ्ल एवं पुस्तक भेंटकर अतिथिगण का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि नरेन्द्र सिंह मेहरा ने नराकास भिलाई-दुर्ग की सराहना करते हुए कहा कि नराकास भिलाई-दुर्ग का इतिहास आरंभ से ही गौरवशाली रहा है। उन्होंने नराकास, भिलाई-दुर्ग को वर्ष 2024-25 के लिए मध्य क्षेत्र के नराकास राजभाषा सम्मान' में तृतीय स्थान प्राप्त होने की बधाइयाँ देते हुए भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उत्कृष्टता का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने अपंजीकृत संस्थानों को शीघ्र ही राजभाषा विभाग की सूचना प्रबंधन प्रणाली में पंजीयन करवाने को कहा। निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने कहा कि 'नराकास, भिलाई-दुर्ग' का इतिहास अत्यंत ही गौरवशाली रहा है, हमें गौरव का यह क्रम बनाए रखना है। इस क्रम में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की ओर से प्राप्त दिशा-निर्देशों तथा राजभाषा के संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करके 'नराकास, भिलाई-दुर्ग' नई उपलब्धियाँ अर्जित करने में अवश्य ही सफ्ल होगा। हिंदी ना केवल राजभाषा के रूप में समस्त कार्यालयीन कामकाज के लिए आवश्यक एवं लाभदायक है, वरन हिंदी हमारी राष्ट्रीय एकता के लिए भी सहायक है।

बजट प्रतिक्रिया

गांव से शहर तक विकास का स्वर्णिम अध्याय लिखेगा बजट : जितेन्द्र वर्मा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 25 फरवरी। राज्य बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट 2026-27 छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक मजबूत और निर्णायक कदम है।

भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपए का स्स्ह्यस्ह्यक्कबजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बस्तर से लेकर सरगुजा तक सौगातों की झड़ी लगा दी है। बजट में प्रत्येक समाज के साथ-साथ युवाओं से लेकर महिलाओं-बुजुर्गों का ध्यान रखा गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 1725 करोड़, जल जीवन मिशन 3000 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 2000 करोड़, समग्र शिक्षा अभियान 1500 करोड़, प्रधानमंत्री आवास शहरी 825 करोड़, प्रधानमंत्री फसल बीमा 820 करोड़, महिलाओं के नाम पर संपत्ति क्रय में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट, छत्तीसगढ़ युवा दर्शन हेतु 5 करोड़, मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन हेतु 100 करोड़, प्रतियोगी परीक्षा के लिए 33 करोड़, कृषक उन्नति योजना हेतु 10, 000 करोड़, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना हेतु 600 करोड़, लोकनिर्माण विभाग में 9, 450 करोड़, मुख्यमंत्री आदर्श शहर योजना समृद्धि योजना 200 करोड़, महतारी वंदन योजना 8200 करोड़, मुख्यमंत्री खाद्यान्य योजना 6500 करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 4000 करोड़, शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना में 1500 करोड़, समग्र शिक्षा अभियान हेतु 1500 करोड़, विकसित भारत राम योजना के लिए 4000 करोड़ के प्रावधान सहित छत्तीसगढ़ राज्य के सभी वर्गों व क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री का प्रस्तुत संकल्प का बजट ऐतिहासिक: भाले

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवीन भवन में प्रथम बजट विधानसभा के पटल पर 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया। बजट 2026-27 का नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने स्वागत कर अभिनंदन करते हुए कहा यह बस्तर से सरगुजा तक विकास के संकल्प (SANKALP) का बजट हैं। GYAN और GATI के बाद यह बजट संकल्प पर आधारित है अर्थात S -समावेशी विकास, A-अधोसंरचना, ह्-निवेश, K-कुशल मानव संसाधन, A-अंत्योदय, L-लाइवलीहुड और P-पॉलिसी से परिणाम तक रहा।

नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने जानकारी देते हुए कहा कि बजट में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 1725 करोड़, जल जीवन मिशन 3000 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 2000 करोड़, समग्र शिक्षा अभियान 1500 करोड़, प्रधानमंत्री आवास शहरी 825 करोड़, प्रधानमंत्री फसल बीमा 820 करोड़, महिलाओं के नाम पर संपत्ति क्रय में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट, छत्तीसगढ़ युवा दर्शन हेतु 5 करोड़, मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन हेतु 100 करोड़, प्रतियोगी परीक्षा के लिए 33 करोड़, कृषक उन्नति योजना हेतु 10, 000 करोड़, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना हेतु 600 करोड़, लोकनिर्माण विभाग में 9, 450 करोड़, मुख्यमंत्री आदर्श शहर योजना समृद्धि योजना 200 करोड़, महतारी वंदन योजना 8200 करोड़, मुख्यमंत्री खाद्यान्य योजना 6500 करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 4000 करोड़, शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना में 1500 करोड़, समग्र शिक्षा अभियान हेतु 1500 करोड़, विकसित भारत जी राम जी योजना के लिए 4000 करोड़ के प्रावधान सहित छत्तीसगढ़ राज्य के सभी वर्गों व क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। यह बजट छत्तीसगढ़ के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

महिला जनप्रतिनिधियों ने राज्य के बजट को बताया शानदार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 25 फरवरी। बोड़ला जनपद अध्यक्ष श्रीमती बालका रामकिंकर वर्मा, जिला पंचायत सभापति दीपा पप्पू धुर्वे, जिला पंचायत सदस्य गंगा लोकचंद साहू, जिला पंचायत सदस्य राजेश्वरी धृतलहरे, पांडातराई नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता सोनी, जनपद सदस्य बबीता चंद्रवंशी ने छत्तीसगढ़ राज्य के बजट की तारीफ करते हुए कहा की ऐतिहासिक बजट है। शिक्षा, कृषि, युवाओं, महिलाओं, रोजगार, स्वास्थ्य और सभी के हितों को देखकर बजट

पेश किया गया है बहुत शानदार बजट है। विकसित छत्तीसगढ़ की तरफ ले जाने वाला बजट है।

भाजपा ने बजट को बताया ऐतिहासिक और कांग्रेस ने कहा-निराशाजनक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 25 फरवरी। जिला भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट, विधायक प्रतिनिधि रामकिंकर वर्मा, बोड़ला जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, पूर्व जिला भाजपा उपाध्यक्ष सीताराम साहू, पांडातराई मंडल अध्यक्ष प्रदीप पूरी गोस्वामी ने छत्तीसगढ़ राज्य बाजत को ऐतिहासिक बताया और विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा की और ले जाना वाला बजट बताया। युवाओं, महिलाओं, किसानों के हितों को देखकर बजट पेश किया गया। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कन्हैया अग्रवाल और जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा

अनंत, पूर्व कांग्रेस शहर अध्यक्ष रानू दुबे ने बजट को निराशा जनक बताते हुए कहा की युवाओं के रोजगार के लिए बजट में कोई ध्यान नहीं दिया गया इसीलिए यह बजट बहुत निराशा जनक है।

वाइस प्रिंसिपल ने छात्र की पिटाई की,जुर्म दर्ज

भिलाई, 25 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगपुरा चौकी क्षेत्र के एक विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल ने मोबाइल रखने की बात को लेकर छात्र को कमरे में बुलाकर उसकी डंडे से जमकर पिटाई कर दी इससे छात्र को चोटें आई है रिपोर्ट पर पुलिस मामले में धारा 296, 115 (2) 3 (5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है नगपुरा चौकी प्रभारी खेलन साहू ने बताया कि डोमन देशलहरा निवासी ग्राम नवांगांव पुरदा थाना व तहसील बोरी जिला दुर्ग ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका पुत्र मंजीत देशलहरा (16 साल) जवाहर नवोदय विद्यालय बोरई में जिला दुर्ग में रहकर कक्षा 11 वीं में पढ़ाई कर रहा है प्रार्थी का पुत्र मंजीत देशलहरा किसी अन्य व्यक्ति के मोबाइल से फोन लगाकर बताया कि 10.30 बजे से 1.30 बजे के मध्य मोबाइल अपने पास रखने की बात पर वाइस प्रिंसिपल के कमरे में बुलाकर लकड़ी डण्डे व हाथ मुक्का लात से मारपीट की।

एक नजर

युवाओं और कर्मचारियों की अनदेखी वाला बजट: अयफाज मेमन

अकालतारा 25 फरवरी। युवा कांग्रेस नेता अयफाज मेमन ने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट युवाओं, छात्रों और कर्मचारियों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारी भत्ता और छात्राओं को मुफ्त यातायात जैसी प्रमुख घोषणाओं पर वित्त मंत्री ने कोई ठोस प्रावधान नहीं किया। अयफाज मेमन ने कहा कि उद्योगों के लिए लैंड बैंक तैयार करने की घोषणा किसानों की जमीन जबरन अधिग्रहित करने की मंशा को दर्शाती है। उन्होंने आशंका जताई कि इससे किसानों के हित प्रभावित होंगे। घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए मात्र 80 करोड़ रुपये के प्रावधान को लेकर उन्होंने कहा कि यह 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना को बंद करने का संकेत है। साथ ही डीएड अभ्यर्थियों की भर्ती, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, रसोइया संघ और अन्य वर्गों के लिए भी बजट में कोई ठोस घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण और 56 हजार शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए भी बजट में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा भर्ती परीक्षाओं की एजेंसी को मजबूत करने की बात पर सवाल उठाते हुए मेमन ने पूछा कि आखिर एक वर्ष में कितनी नौकरियां दी जाएंगी, इस पर सरकार ने कोई स्पष्टता क्यों नहीं दी।

तिल्दा नेवरा में बड़े सट्टेबाजों पर कार्रवाई आखिर क्यों नहीं

तिल्दा-नेवरा 25 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सट्टा कारोबार पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। पिछले दिनों कोहका नेवरा स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पुलिस ने छापेमारी कर एक बड़े सटोरिये को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लाखों रुपए नगद, कई बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज, पासबुक, एटीएम कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री जप्त की थी। इसी कार्रवाई के बाद से शहर में चर्चाओं का बाज़ार खासा गर्म है। बताया जा रहा है कि आज एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम तिल्दा पहुंची, जहां टीम ने करीब कई घंटे तक सट्टे के मामलों में संलिप्त लोगों से पूछताछ की। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी ने पूछताछ के दौरान तिल्दा-नेवरा के कई लोगों के नाम भी सामने रखे हैं। इसके बाद पुलिस की गतिविधियां तेज हो गई हैं और संबंधित व्यक्तियों की तलाश में टीम सक्रिय दिखाई दे रही है। शहर में यह भी चर्चा है कि पुलिस द्वारा कुछ लोगों को पूछताछ के लिए उठाकर ले जाया गया है, हालांकि इसे लेकर अधिकृत पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट एवं नेवरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की जा रही है। अब देखना यह होगा कि पुलिस इस पूरे मामले को कितनी गंभीरता से आगे बढ़ाती है। क्या कार्रवाई आरोपियों तक पूरी तरह पहुंचेगी, या फिर राजनीतिक व अन्य दबावों के चलते मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा–यह आने वाले दिनों में साफ होगा।

सर्वव्यापी सर्वहारा बजट: सागर पंजवानी

तिल्दा नेवरा 25 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भाजपा युवा मोर्चा रायपुर जिला उपाध्यक्ष सागर पंजवानी ने बजट को सर्वव्यापी सर्वहारा सभी समाज युवा वर्ग व महिलाओं के लिए योजनाएं है छत्तीसगढ़ तेज गति से ज्ञान गति संकल्प का बजट है माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की सरकार बजट मे शिक्षा,स्वास्थ्य,अधोसंरचना,कृषि, रोज़गार,जैसे क्षेत्रों को नई गति मिलेगी नर्सिंग कालेजों की स्थापना,नए महाविद्यालयों भवन,सड़क,आवास योजनाएं और मितानिन कल्याण निधि जैसे प्रावधान किए गये है महिलाओं से जुड़ी योजनाएं से महिलाओं के सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी एवम् ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के क्रियान्वयन में जनभागीदारी सुनिश्चित कर 50 लाख तक के कार्य ग्राम पंचायतों के माध्यम से कराए जाएँगे आदर्श शहर समृद्धि योजना के लिए 200 करोड़ का आवंटन शहरी विकास को मज़बूत करने की दिशा में सराहनीय कदम है सरकार का महिलाओं व युवाओं और किसानों के साथ-साथ आधारभूत सरंचना खेल स्वास्थ्य जैसी प्राथमिकताओं पर सरकार का विशेष ध्यान रहेगा छत्तीसगढ़ में विकास की रफ़्तार निरंतर नई गति के साथ आगे बढ़ेगा ।

छत्तीसगढ़ में रिक्त दो राज्यसभा सीटों के लिए अधिसूचना 26 फरवरी को

रायपुर, 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा की कुल 05 सीटों में से 02 सीटें आगामी 09 अप्रैल 2026 को रिक्त होने जा रही हैं। राज्यसभा सदस्य श्री कवि तेजपाल सिंह तुलसी एवं श्रीमती फूलो देवी नेताम का कार्यकाल पूर्ण होने के कारण इन पदों पर निर्वाचन कराया जाएगा। रिक्त होने वाली इन सीटों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 18 फरवरी को प्रेस नोट जारी कर राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार अधिसूचना 26 फरवरी को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 05 मार्च निर्धारित की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की संवीक्षा 06 मार्च को की जाएगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी 09 मार्च तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 16 मार्च सोमवार को प्रातः 09 बजे से सायं 04 बजे तक होगा। इसी दिन शाम 05 बजे से मतगणना की जाएगी। नामांकन पत्र 26 फरवरी से 05 मार्च 2026 तक (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) सवेरे 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन स्थित निर्धारित स्थान पर रिटर्निंग ऑफिसर, सचिव छत्तीसगढ़ विधानसभा, के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

तिल्दा-नेवरा औद्योगिक क्षेत्र: भविष्य के विकास का रोडमैप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 25 फरवरी। (छत्तीसगढ़) न केवल एक कृषि प्रधान क्षेत्र है, बल्कि यह तेजी से उभरता हुआ एक औद्योगिक केंद्र भी है। रायपुर और बिलासपुर जैसे बड़े शहरों के बीच स्थित होने के कारण, यहाँ विकास की अपार संभावनाएं हैं। तिल्दा-नेवरा को अक्सर 'राइस मिलों का गढ़' माना जाता है, लेकिन एक आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र के रूप में इसकी पहचान बनाने के लिए हमें केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यहाँ के विकास को 'स्मार्ट, सस्टेनेबल और समावेशी' बनाने की आवश्यकता है।. किसी भी औद्योगिक क्षेत्र की रीढ़ वहां की सड़कें और बिजली होती है।

लॉजिस्टिक्स हब: तिल्दा में रेलवे की अच्छी कनेक्टिविटी है। यहाँ एक आधुनिक 'लॉजिस्टिक्स पार्क' और कंटेनर डिपो विकसित किया जाना चाहिए ताकि माल की आवाजाही आसान हो सके। 24×7 बिजली और जल आपूर्ति: उद्योगों के लिए बिना रुकावट बिजली और विशेष रूप से औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पाइपलाइन नेटवर्क अनिवार्य है। चौड़ी और मजबूत सड़कें: भारी ट्रकों की आवाजाही को देखते हुए कंक्रीट की चौड़ी सड़कों का जाल बिछाना जरूरी है। वर्तमान में यहाँ राइस मिलों की प्रधानता है। जोखिम कम करने और रोजगार बढ़ाने के लिए अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा देना चाहिए: फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स: केवल चावल नहीं, बल्कि फलों, सब्जियों और अन्य

अनाजों के प्रसंस्करण के लिए प्लांट लगाए जाने चाहिए। चूंकि यह कृषि बेल्ट है, इसलिए यहाँ आधुनिक खेती के औजार बनाने वाली फैक्ट्रियों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। पैकेजिंग सामग्री, प्लास्टिक और छोटे पुर्जों के निर्माण के लिए छोटे उद्योगों का एक क्लस्टर बनाना चाहिए। सभी फैक्ट्रियों का दूषित पानी सीधे नदियों या खेतों में न जाए, इसके लिए एक सामूहिक शोधन संयंत्र होना चाहिए। औद्योगिक क्षेत्र के चारों ओर और बीच-बीच में सघन वृक्षारोपण करना चाहिए ताकि वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। उद्योगों को अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए सब्सिडी दी जानी चाहिए ताकि वे ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनें। तिल्दा में एक 'औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र' होना चाहिए जो विशेष रूप से यहाँ की फैक्ट्रियों की जरूरतों (जैसे- ऑपरेटर, टेक्नीशियन, अकाउंटेंट) के अनुसार युवाओं को ट्रेनिंग दे। औद्योगिक क्षेत्र के पास ही श्रमिकों के लिए किफायती आवास, स्वास्थ्य केंद्र और बच्चों के लिए स्कूल की सुविधा होनी चाहिए।. डिजिटल गवर्नेंस नए उद्यमियों को लाइसेंस और अनुमति के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए एक डिजिटल पोर्टल होना चाहिए। पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी निगरानी और फायर फाइटिंग सिस्टम का एक केंद्रीकृत नेटवर्क होना चाहिए। तिल्दा-नेवरा में वह क्षमता है कि वह छत्तीसगढ़ का अगला बड़ा इंडस्ट्रियल हब बन सके। इसके लिए सरकार, स्थानीय प्रशासन और उद्योगपतियों को मिलकर एक 'मास्टर प्लान' पर काम करने की जरूरत है, जहाँ विकास के साथ-साथ पर्यावरण और जन-कल्याण का भी ध्यान रखा जाए। विकास ऐसा हो जो न केवल आज की जरूरतों को पूरा करे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र भी छोड़कर जाए। तिल्दा नेवरा में विकास गलत राजनीति ओर स्थानीय लोकप्रिय नेताओं के अभाव के चलते काग्रेस और बीजेपी दोनों ही पार्टी तिल्दा नेवरा में स्थानीय नेताओं की उपेक्षा करती आई है।

प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल भिलाई में

अभा पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ डिप्टी सीएम शर्मा ने किया

रायपुर, 25 फरवरी। प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई में चौदहवीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 का सोमवार को विधिवत शुभारंभ उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ खेल और संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला।

यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 24 से 27 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में देशभर की पुलिस एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की कुल 30 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें लगभग 450 खिलाड़ी शामिल हैं। विशेष बात यह है कि 10 राज्यों के 30 से अधिक ओलंपिक, वर्ल्ड कप, एशियन गेम्स और साउथ एशियन गेम्स जैसी प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें अर्जुन पुरस्कार विजेता असम के डीएसपी श्री जनता तालुकार एवं राजस्थान के डीएसपी श्री रजत चौहान भी

प्रतियोगी के रूप में शामिल हुए।

अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि पुलिस बल केवल कानून - व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि खेल और अनुशासन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय स्तर की इस प्रतियोगिता से पुलिस बलों के बीच समन्वय, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को मजबूती मिलेगी। छत्तीसगढ़ को इसकी मेजबानी मिलना राज्य के लिए गर्व का विषय है।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने कहा कि खेल गतिविधियां पुलिस बलों में शारीरिक दक्षता, मानसिक संतुलन और अनुशासन को मजबूत करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को निष्पक्षता एवं खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की।

इस कार्यक्रम में दुर्ग नगर की महापौर श्रीमती अलका बाघमार, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, एडीजी श्री एस.आर.पी. कल्लूरी, एडीजी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल श्री विवेकानंद सिन्हा, आईजी श्री ओ.पी. पाल, आईजी श्री अजय यादव, आईजी श्री अभिषेक शांडिल्य, आईजी श्री बी.एस. ध्रुव, डीआईजी श्री कमलोचन कश्यप, डीआईजी श्री एम.आर. आहिरे, डीआईजी मध्य रेंज एवं आयोजन सचिव श्री सदानंद कुमार, डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग श्री विजय अग्रवाल, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री राठौर तथा प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के डीआईजी कमांडेंट एवं पुलिस खेल अधिकारी श्री राजेश कुकरेजा सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही पद्मश्री सम्मानित समसाद बेगम, श्री भारती बंधू, श्री आलोक निरंजन एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम भी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना का स्वागत: डॉ. तिवारी

■ बैगा पुजारियों को सम्मान राशि देने के निर्णय का भी अभिनंदन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबंद। राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना लागू करने की घोषणा का भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ. अरविंद नाथ तिवारी ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के हित में ऐतिहासिक एवं सराहनीय निर्णय बताया है।

डॉ. तिवारी ने कहा कि बढ़ते चिकित्सा खर्च के इस दौर में कैशलेस चिकित्सा सुविधा कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। गंभीर बीमारी अथवा आकस्मिक स्थिति में बिना तत्काल भुगतान के उपचार की सुविधा मिलना सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इसके साथ ही डॉ. तिवारी ने जनजातीय संस्कृति को देश-दुनिया तक पहुंचाने हेतु अनुसूचित जनजाति बैगा पुजारियों को सम्मान राशि प्रदान करने के निर्णय का भी स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि बैगा समाज की समृद्ध परंपराएं, लोक आस्था और सांस्कृतिक विरासत प्रदेश की अमूल्य धरोहर हैं। ऐसे में पुजारियों को सम्मान राशि देना न केवल उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में भी सहायक सिद्ध होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय जनजातीय समाज के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान को दर्शाता है। इससे आने वाली पीढ़ियों में अपनी संस्कृति के प्रति गर्व और जागरूकता बढ़ेगी।

अंत में डॉ. तिवारी ने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारियों के कल्याण और जनजातीय संस्कृति के संरक्षण की दिशा में उठाए गए ये कदम प्रदेश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सिंधी संस्थाए प्रत्येक मुहल्ले में रोज़ गीतापाठ एवं लोकसेवा करने केन्द्र स्थापित करें : मसंद सेवाश्रम

रायपुर 25 फरवरी। मसन्द सेवाश्रम ने सिंधी पंचायतों व समाजसेवी संस्थाओं से प्रत्येक मुहल्ले में रोज़ गीतापाठ एवं लोकसेवा करने केन्द्र स्थापित करने का आह्वान किया है। सेवाश्रम के पीठाधीश साईं जलकुमार मसन्द साहब ने उक्त आह्वान उनके द्वारा सनातन धर्म, देश व सार्वजनिक कल्याण के क्षेत्र में सिंधी समाज का दायित्व बढ़ाने की कार्ययोजना बनाने के संदर्भ में 22 फरवरी को स्थानीय सिंधु पैलेस में आयोजित आमसभा में व्यक्त किया।

साईं मसन्द साहब ने कहा कि श्रीमद् भगवत गीता में जीवन के मूलभूत प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं। वह हमें जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद करती है। इसमें निष्काम भाव से काम करने की शिक्षा दी गई है जो वर्तमान में देश में व्याप्त स्वार्थ के दूषित माहौल के निराकरण हेतु देश की एक अति महत्वपूर्ण आवश्यकता है। यह ग्रंथ न केवल सनातन वैदिक धर्म का एक अति महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि विश्व के कई धर्मों और संस्कृतियों में इसका प्रभाव देखा जाता है।

उन्होंने सिंधी पंचायतों व समाजसेवी संस्थाओं से प्रत्येक मुहल्ले में लोकसेवा केन्द्र स्थापित कर उसके माध्यम से केन्द्र, राज्य और स्थानीय शासन नगर निगम की स्वीकृत सरकारी योजनाओं का लाभ सम्बंधित हितग्राहियों को दिलाने की मुहिम चलाने का भी आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह मुहिम देश के वास्तविक विकास हेतु जहां उत्प्रेरक का काम करेगी वहीं लोककल्याण कारी सरकारी कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार कम होने में भी सहायक बनेगी।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय ख्यातिनाम सिंधी संस्था बढ़ते कदम, विश्व के तीसरे क्रम के पुराने रेडियो संग्रहकर्ता मनोहर डेंगवाणी, ख्यातिनाम उपन्यासकार शिव ग्वालाणी, कवि राजकुमार मसन्द, विख्यात समाजसेविका मधुबहादुर सिंह आर्तवाणी, सिंधु यूथ समाचार चैनल के प्रधान संपादक देवानंद शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी विख्यात पत्रकार एवं समाजसेविका डिम्पल शर्मा, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवाणी, राम मंदिर रायपुर के ट्रस्टी विख्यात धार्मिक कार्यकर्ता झामनदास बजाज एवं रोटरी आदि प्रतिष्ठित संस्थाओं के पदाधिकारी रहे समाजसेवी महेश आशपालिया का उनके क्षेत्रों में सराहनीय भूमिका निभाने के परिप्रेक्ष्य में विशेष सम्मान किया गया। सबने अपने सम्मान के प्रति आभार प्रकट करते हुए मसन्द सेवाश्रम के अभियान में अपना सहयोग प्रदान करने की बात कही।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, सिंधी समाज की कुलदेवी हिंगलाज माता, कुलदेवता भगवान झूलेलाल एवं आदिशंकराचार्य महाराज जी के चित्रों के समक्ष द्वीप प्रज्वलन एवं प्रसिद्ध भजन गायिका साक्षी बजाज द्वारा सिंधी समाज की परम्परागत आरती एवं प्रार्थना गीत पल्लव के साथ किया गया। कार्यक्रम का समापन संत कंवरराम सेवा संकल्प संस्था के प्रमुख अमित जीवन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। नगर की कुछ मुहल्ला सिंधी पंचायतों ने इस अवसर पर उनके यहां गीता पाठ एवं लोकसेवा केंद्र स्थापित करने में रुचि दिखाई।

अंत में कार्यक्रम आयोजन में सराहनीय भूमिका निभाने के लिए पूज्य साईं मसन्द साहब ने स्वागत समिति के अध्यक्ष महेश दरयाणी, सहअध्यक्ष अमरलाल गिदवाणी, संयोजक भरत बजाज, समाजसेवी चेतन तारवाणी, पूज्य शंकरनगर शांतिनगर सिंधी पंचायत, समाजसेवी संस्था बढ़ते कदम एवं एक पहल और की प्रशंसा करते हुए सबको अपनी शुभकामनाएं दीं।

हमने बनाया है हम ही सवारेंगे वाक्य को चरितार्थ करने वाला सर्व समावेशी बजट:डब्बू चांडक

■ 1.72 लाख करोड़ के इस बजट में युवाओं, किसानों,महिलाओं, गरीबों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

मोहला 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी बजट को गति ज्ञान के बाद संकल्प थीम पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत किया गया है। मोदी के विकसित भारत 2047 के सपने को सकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.1.72 लाख करोड़ की इस बजट में युवाओं,किसानों, महिलाओं,गरीबों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है. छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास की बात कही गई है.अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य गणपत डब्बू चांडक ने प्रदेश सरकार के बजट प्रस्ताव का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का अभिनंदन किया है उन्होंने बताया है कि छत्तीसगढ़ की जनता के लिए एक श्रेष्ठ बजट प्रस्तुत किया गया है. बहुस्पर्शी, बहुआयामी और सर्वव्यापी बजट पूरे छत्तीसगढ़ के विकास को ध्यान में रखकर बनाया गया है, मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री ने सभी वर्गों का सभी क्षेत्रों का विकास की दृष्टि से समुचित ध्यान दिया गया है. इस बजट में विशेष कर क्षेत्र आदिवासी अंचल

जहां पर विकास की अनेकों संभावना है उसे उचित स्थान दिया गया है. इस बजट में विकास के कई कार्यक्रम व योजनाओं के लिए प्रावधान किए गए हैं.साथ ही साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए, मातृ शक्तियों का सम्मान बढ़ाने की दृष्टि, किसान भाइयों के लिए, बड़े एवं लघु उद्योगों मध्यम उद्योग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को ध्यान में रखते हुए समूचे छत्तीसगढ़ के हर संभागों का समुचित रूप से विकास के अनेक प्रावधान किए गए हैं जो बजट में घोषित योजनाओं के माध्यम से परिलक्षित हुई है।

मैथिल ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी घोषित

साहित्यकार,कवि संजीव ठाकुर संरक्षक,अध्यक्ष विजय कुमार झा

रायपुर 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित अत्यंत प्रतिष्ठित प्राचीन ब्राह्मणों की संस्था में मैथिल ब्राह्मण सभा रायपुर के विगत दिनों निर्वाचन में पं विजय कुमार झा अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। उनके द्वारा कार्यकारिणी का गठन कर सामाजिक गतविधियों को गति देने का अनुरोध पदाधिकारियों से किया है। संस्था के सचिव पंकज भावेश झा तथा कोषाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा ने बताया है कि समाज के समस्त पूर्व अध्यक्ष,सचिव कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी के पदेन सम्मानित सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त संरक्षक प्रतिष्ठित साहित्यकार,कवि, चिंतक,लेखक संजीव कुमार ठाकुर सहित डॉ रमेन्द्र नाथ मिश्र, डॉ सुधीर कुमार झा, श्री शिव कुमार झा अधिवक्ता, डॉ पूर्ण प्रकाश झा,अवनींद्र नाथ ठाकुर अधिवक्ता, शारदेन्दु झा,

सेवानिवृत पुलिस उपमहानिरीक्षक सर्वेश झा, मधु कांत झा, विपिन कुमार झा, अजय कुमार झा, पं आशुतोष झा एवं प वीरेंद्र नाथ ठाकुर, संरक्षक गण होंगे। इसी प्रकार कार्यकारिणी में पदेन महिला मंडल के अध्यक्ष, सचिव कोषाध्यक्ष व युवा मंच के पदेन अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। अध्यक्ष के रूप में पं विजय कुमार झा, उपाध्यक्ष रविंद्र नाथ ठाकुर, बृजेश ठाकुर, प्रदीप ठाकुर, ज्ञानेश झा, मनीष कुमार झा, सुप्रभ कुमार झा अधिवक्ता होंगे। सचिव पंकज भावेश झा सह सचिव आशीष कुमार झा होंगे। कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष अनुराग ओझा, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अजय ठाकुर, संजय ठाकुर, समीर ठाकुर, अरविंद ठाकुर एवं निखिल झा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संपादित करेंगे। मीडिया प्रेस का प्रभार नितिन कुमार झा, विभाष झा, कुणाल मिश्रा, विजय शंकर झा होंगे।

किसान, महिला, गरीब, युवा और ग्रामीण विकास को मिला बड़ा प्रोत्साहन

1.72 लाख करोड़ का बजट छत्तीसगढ़ के विकास को नई दिशा देने वाला:अरुण सार्वा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी- सांकरा 25 फरवरी। जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य बजट की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रदेश को विकास की नई दिशा देने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसमें हर वर्ग के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं।

सार्वा ने बताया कि किसानों को विभिन्न प्रकार की खेती के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन जैसी

योजनाओं के सुचारू संचालन हेतु 8200 करोड़ रुपये रखे गए हैं। मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना में भी वृद्धि करते हुए 6500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई पंपों की बिजली सब्सिडी के लिए 5500 करोड़ रुपये तथा बिजली बिल में राहत देने के लिए कुल 6700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें एकल बत्ती कनेक्शन हेतु 354 करोड़ और घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक आधा बिजली बिल देने के लिए 800 करोड़ रुपये शामिल हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास निर्माण लक्ष्य को पूरा करने के लिए 4000 करोड़ रुपये, शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के लिए 1500 करोड़ रुपये तथा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के आवास, सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए 720 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

इसके अलावा जल जीवन मिशन के लिए 3000 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 2000 करोड़, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 1725 करोड़, समग्र शिक्षा अभियान के लिए 1500 करोड़, शहरी आवास योजना के लिए 825 करोड़, फसल बीमा योजना के लिए 820 करोड़ तथा भूमिहीन कृषि मजदूर सहायता के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सार्वा ने कहा कि ग्रामीण विकास को गति देने के लिए केंद्र और राज्य की साझेदारी से नई योजनाओं के तहत लगभग 10 हजार करोड़ रुपये के कार्य प्रदेश में होंगे, जिससे गांवों का आधारभूत ढांचा मजबूत होगा और समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि यह बजट छत्तीसगढ़ को 2047 से पहले ही विकसित राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जिला पंचायत में एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने का उल्लेख करते हुए जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि डबल इंजन सरकार के सहयोग से ग्रामीण विकास, जनहित योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनका दायित्व है और वे पूरी निष्ठा से सेवा करते रहेंगे।

आर्थिक सर्वेक्षण से सरकार की सफलता का पता चलता है

हर बजट के पहले सरकार आर्थिक सर्वेक्षण पेश करती है ताकि राज्य के लोगों को पता चले कि सरकार ने पिछले एक साल क्या कुछ किया है, क्या कुछ बेहतर किया है।उससे राज्य का विकास पहले से ज्यादा हुआ है या नहीं, उससे लोगों की आय पहले से ज्यादा बढ़ी है या नहीं। हर क्षेत्र की विकास दर पहले से ज्यादा हुई है या नहीं। लोगों को जीवन स्तर और ऊंचा उठा है या नहीं। लोगों को पहले से ज्यादा सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं। इस हिसाब से देखा जाए तो छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि पिछले साल की तुलना में प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है,इससे राज्य के लोगों की आर्थिक स्थिति सुधरी है।राज्य की जीडीपी बढ़ी है, इससे पता चलता है कि राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत है।राज्य निरंतर आर्थिक प्रगति,संरचनात्मक सुधार के साथ समावेशी विकास पथ पर अग्रसर है।कृषि,उद्योग व सेवा क्षेत्र का संतुलित विकास हो रहा है।राजकोषीय अनुशासन,बुनियादी ढांचे के विस्तार और डिजिटल शासन से विकास की गति पहले की अपेक्षा तेज हुई है। विधानसभा में पेश आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार राज्य की अर्थव्यवस्था पहले से मजबूत है। इससे राज्य के सामने अर्थव्यवस्था की एक सकारात्मक तस्वीर पेश हुई है।वर्ष २५-२६ में जीएसडीपी ११.५७ प्रतिशत बढ़कर ६.११ लाख करोड़ पहुंचने के संकेत हैं।छत्तीसगढ़ में पिछले साल की तुलना में प्रति व्यक्ति आय में १०.०७ प्रतिशत की वृध्दि हुई है। इससे प्रति व्यक्ति आय १ लाख ६२ हजार ८७० रुपए से बढ़कर १ लाख ७९ हजार २४४ रुपए होने का अनुमान है।पुराने आंकड़ों को देखा जाए तो राज्य में हर साल प्रति व्यक्ति आय बढ़ती रही है।यह २०-२१ में १ लाख ६ हजार ११७ रुपए थी तो इस हिसाब से देखा जाए तो साय सरकार के समय भी हर साल प्रति आय बढ़ रही है और इससे साफ है कि राज्य में लोगों को रोजगार भी मिल रहा है तथा सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ भी मिल रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक राज्य की जीडीपी प्रचलित भावों पर वर्ष २४-२५ में ५ लाख ६५ हजार ८८५ करोड़ रुपए से बढ़कर ६ लाख ३१ हजार २९१ करोड़ रुपए होने का अनुमान है।जो पिछले साल की तुलना में ११.५७ प्रतिशत की वृद्दि दर्शाता है। वहीं स्थिर भाव में ८.११ प्रतिशत वृध्दि होने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।आर्थिक सर्वेक्षण में कृषि,उद्योग व सेवा क्षेत्र में तेज वृध्दि का अनुमान है।कृषि क्षेत्र में २०२५-२६ में१२.५३ प्रतिशत वृध्दि का अनुमान है।इसी तरह उद्योग क्षेत्र में १०.२६ प्रतिशत और सेवा क्षेत्र में १३.१५ प्रतिशत बृध्दि होने का अनुमान है। इस तरह देखा जाए तो तीनों क्षेत्र में पिछले साल की तुलना में ज्यादा वृध्दि होने का अनुमान है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी का कहना है कि तीनों क्षेत्र की जीडीपी में वृध्दि दो अंकों में हुई है।जीडीपी में सेवा क्षेत्र का योगदान उद्योग क्षेत्र से अधिक होना राज्य के विकास के लिए अच्छा है। बजट का मतलब होता है कि राज्य के लोगों के लिए बेहतर से बेहतर काम करना। राज्य के लोगों के लिए बेहतर योजनाएं बनाना, उन पर बेहतर अमल करना, लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे सुनिश्चित करना। राज्य के लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना, उसका लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिले सुनिश्चित करना। बजट में योजनाओं व सुविधाओं के लिए पैसे दिए जाते हैं। पैसे खर्च किए जाते हैं। हर साल ज्यादा सुविधा दी जाती है, लोगों को योजनाओं का लाभ दिया जाता है इससे खर्च बढ़ता है, खर्च बढ़ने से बजट भी हर साल बढ़ता है, जब भी खर्च बढ़ता है तो राज्य में भ्रष्टाचार भी बढ़ता है। जितना बजट बढ़ता जाता है, उतना खर्च बढ़ता है तो उतना ही ज्यादा भ्रष्टाचार भी बढ़ता है। यदि सरकार भ्रष्टाचार पर रोक लगाने वाली नहीं होती है तो हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार कैसे होता है राज्य के लोगों ने पिछली सरकार के समय देखा है। बजट तो हर साल बढ़ना ही है, इससे राज्य में भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा ऐसे में सरकार को भ्रष्टाचार रोकने के लिए ज्यादा सजग होना पड़ेगा। क्योंकि पिछले साल पांच साल में राज्य तंत्र में भ्रष्टाचार का ऐसा रोग लगा है कि उसे खत्म करना साय सरकार के लिए चुनौती है। साय सरकार सुधारों के जरिए भ्रष्टाचार को कम करने का प्रयास कर रही है। यह बहुत अच्छी बात है, सरकार की नीति व नीयत जब भ्रष्टाचार रोकने की होती है तो बजट के पैसों का ज्यादा से ज्यादा सदुपयोग संभव होता है। राज्य के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलती है, योजनाओं का लाभ नियमित मिलता है।इससे राज्य के लोगों की आय बढ़ती है, राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, राज्य के लोगों के जीवन स्तर ऊंचा होता है। बजट का मकसद भी यही होता है पिछले बजट से राज्य सरकार अपने मकसद को पाने में सफल रही है तो उम्मीद की जा सकती है इस बार भी ऐसा होगा।

आयोजन

पाणिनि से एआई स्टैक तक: दिल्ली का एआई गौरव और राष्ट्रीय क्षमता का लक्ष्य

हरदीप एस पुरी

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक है: बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैंऔर बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैंऔर दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी।

पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन थाऔर किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयी: 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय-आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा है: डेटा पर संप्रभुता, डिज़ाइन के अनुसार समावेशऔर स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई है: नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तकऔर कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं।

अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास-उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता है: लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेज़ी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस ((65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता है: एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है।

पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा हैऔर यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन-देन से भी अधिक है। जेएएम त्रय ने 2015 से अब तक (3.48 लाख करोड़ से अधिक की कल्याण बचत प्रदान की है। किसी अन्य देश ने एक ही नीतिगत व्यवस्था के तहत पहचान, भुगतान और पात्रता-अधिकार के वितरण का निर्माण इस स्तर पर नहीं किया हैऔर यही वह आधारशिला है, जिस पर भारत का एआईखड़ा है।

यदि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को देश से जोड़ना था, तो एआई अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को क्षमता से जोड़ना हैऔर यहाँ आंकड़े एक चौंकाने वाला अंतर दिखाते हैं: भारत दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत डेटा का उत्पादन करता है, लेकिन यहाँ वैश्विक डेटा-केंद्र क्षमता का केवल लगभग 3 प्रतिशत मौजूद है। अब इस अंतर को उसी इरादे के साथ पाटा जा रहा है, जिसने यूपीआई का निर्माण किया था: तेज़, बड़े पैमाने परऔर संप्रभु डिज़ाइन के साथ।

विचार करें कि भारत मंडपम में एक ही सप्ताह में क्या घोषणाएँ की गईं। माइक्रोसॉफ्ट: 2030 तक वैश्विक दक्षिण के लिए 50 बिलियन डॉलर, जिसमें से पहले ही 17.5 बिलियन डॉलरकी भारत के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी है। गूगल: अमेरिका-भारत संपर्क पहल, जो पांच वर्षों में 15 बिलियन डॉलरसे संचालित होगी। अमेज़न वेब सर्विसेज़: महाराष्ट्र में 8.3 बिलियन डॉलर। अदानी समूह: 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा-संचालित एआई डेटा केन्द्रों के लिए 100 बिलियन डॉलर। योटा डेटा सर्विसेज़: एनवीडियाके ब्लैकवेल अल्ट्रा चिप्स का उपयोग करके एशिया के सबसे बड़े एआई कंप्यूटिंग हब में से एक के लिए 2 बिलियन डॉलरसे अधिक। लार्सन एंड टुब्रो: एनवीडियाके साथ भारत की सबसे बड़ी गीगावाट-स्केल एआई फैक्ट्री बनाने के लिए प्रस्तावित परियोजना। इंडियाएआई मिशन का राष्ट्रीय कंप्यूट क्लस्टर 38,000 जीपीयू पार कर चुका है और इसे 58,000 तक बढ़ाया जा रहा है, जो स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक लागत के लगभग एक तिहाई पर उपलब्ध है। अगले दो वर्षों में एआई अवसंरचना में 200 अरब डॉलर के निवेश का सरकार का लक्ष्य महज आकांक्षा नहीं है; घोषित प्रतिबद्धताएँ इसे हासिल करने के दायरे में लाती हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 का उद्देश्य इस निवेश को दीर्घकालिक संरचनात्मक लाभ में बदलने का है, जो उन विदेशी कंपनियों के लिए टैक्स होलीडे का 2047 तक विस्तार करता है, जो वैश्विक क्लाउड सेवाओं के लिए भारतीय डेटा सेंटर का उपयोग करती हैं तथा एआई और उच्चतम निर्माण स्टार्टअप्स के लिए 1.1 अरब डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड का वचन देती हैं। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन, जिसका परिव्यय 34,000 करोड़ रुपये से अधिक का है, लिथियम, कॉबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं को सुरक्षित करता है, जिन पर एआई और सेमीकंडक्टर का निर्माण निर्भर होता है।

हालाँकि यह सब तब तक मायने नहीं रखता, जब तक यह लोगों तक नहीं पहुँचता। शिखर सम्मेलन के पहले दिन, 2.5 लाख से अधिक छात्रों ने नवाचार के लिए जिम्मेदार एआई का उपयोग करने की शपथ ली, यह संख्या गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की मान्यता के लिए प्रस्तुत की गई है। तीस डेटा और एआई लैब्स स्तर 2 और स्तर 3 के शहरों में काम कर रहे हैं, जो 570-लैब नेटवर्क की योजना का पहला प्रयास है, जबकि एआईकोश 7,500 से अधिक डेटासेट और 273 मॉडलों को साझा सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में पेश करता है।

जब यह सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत में 16 आईआईटी थे; आज 23 हैं। ओपनएआई के सीईओ ने बताया कि भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जिसके 100 मिलियन साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।खपत यहाँ है, और उत्पादन क्षमता रफ़्तार पकड़ बना रही है: शिखर सम्मेलन में तीन संप्रभु एआई मॉडल पेश किए गए, जिनमें सर्वम एआई का 105-बिलियन-पैरामीटर व्यापक भाषा मॉडल शामिल है, जिसे पूरी तरह भारतीय कंप्यूटिंग और भारतजेन का परम2 पर प्रशिक्षित किया गया है, एक 17-बिलियन-पैरामीटर बहुभाषी मॉडल, जो सभी 22 अनुसूचित भाषाओं का समर्थन करता है। ये विदेशी मॉडलों के अनुकूल किये गये संस्करण नहीं हैं; इन्हें संप्रभु अवसंरचना पर शुरुआत से बनाया गया है।

यह भी जानकारी देने योग्य है कि साझेदारी की संरचना अब कैसे तैयार की जा रही है, क्योंकि अब यह विदेशी तकनीक के लाइसेंस के बारे में नहीं है, बल्कि संप्रभु क्षमता के सह-निर्माण के बारे में है। टाटा समूह की ओपनएआई के साथ रणनीतिक साझेदारी स्टारगेट पहल के तहत 100 मेगावाट एआई-तैयार डेटा सेंटर क्षमता के साथ शुरू होगी और इसका विस्तार एक गीगावाट तक किया जाएगा। इससे यह संकेत मिलता है कि भारतीय उद्योग, वैश्विक ज्ञान परिदृश्य में मांग पक्ष से आपूर्ति पक्ष की ओर आगे बढ़ रहा है। शिखर सम्मेलन के दौरान भारत द्वारा पैक्स सिलीका घोषणा पर औपचारिक हस्ताक्षर अमेरिकी-नेतृत्व वाले गठबंधन में देश को एआई, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित रखने वाले देशों में शामिल करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया अन्य सदस्य हैं। इसके साथ ही द्विपक्षीय भारत-अमेरिका एआई अवसर साझेदारी पर हस्ताक्षर किये गये हैं, जो दोनों देशों को महत्वपूर्ण तकनीकों पर नवाचार-प्रवृत्त दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रतिबद्ध करती है, जबकि भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष, 2026 एक और आयाम जोड़ता है, जो संयुक्त कौशल विकास और मापनीय परिणामों से संबंधित है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन श्रृंखला की मेजबानी करने वाला पहला वैश्विक दक्षिण देश केवल एक संवाद आयोजित नहीं कर रहा था, बल्कि उसने यह स्पष्ट कर दिया कि वह किन शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना चाहता है: एक दिल्ली घोषणा पत्र, जो एआई शासन के नियमों को फिर से तैयार करता है, डिजिटल अवसंरचना, जो दुनिया में वास्तविक समय पर होने वाले लगभग आधे भुगतानों को संसाधित करती है, सैकड़ों अरबों की निवेश प्रतिबद्धताएं, पूरी तरह से नए सिरे से बनाए गए संप्रभु मॉडल, और एआई युग की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा संरचना में प्रवेश। पाणिनि का सबक कभी जटिल नहीं था। संरचना ही बुद्धिमत्ता है। भारत अब उस संरचना का निर्माण कर रहा है।

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे, आपको काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा। आज किसी भी व्यक्ति के लिए प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे। आज आपको जिद से बचना होगा। आज व्यापार की शुरुआत मित्रों के साथ मिलकर हो सकती है। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता ने व्यापार में जो जिम्मेदारियां दी हुई हैं उसे आप आसानी से निभा लेंगे। इस राशि के जो लोग फर्नीचर का व्यापार कर रहे हैं, उन्हें उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा। परिवार में सभी आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। एक्सरसाइज की रूटीन अपनाएं, आपको लाभ जरूर मिलेगा। साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि : कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको शांत मन से सोचेने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई अपने काम में आपकी मदद मांगेंगे। समाज में आज आप अपने बढ़िया कार्यों के कारण पहचाने जायेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहें छात्रों को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य समस्याओं के कारण थोड़ी उलझने हो सकती, लेकिन जल्द ही सब ठीक होगा। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से संबंधित गतिविधियों में शानदार सफलता मिलेगी।

कर्क राशि : आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे, जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। कुछ विरोधी आपके काम में समस्याएं डालने की कोशिश कर सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति आपको अपना स्वभाव सुधारना होगा। किसी को उधार देने से पहले सोच-विचार करना अच्छा रहेगा। आज दूसरों के विचारों का असर आप के निर्णय पर न हो, इस बात का ध्यान रखें। काफी समय से चल रहे किसी कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में आएगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको पैसों की जरूरत पड़ सकती है। आज आपको बेवजह की उलझने लेने से बचने की जरूरत है। सामाजिक तौर पर आप बहुत सक्रिय रहेंगे। आपकी किसी नए काम को करने की इच्छा पूरी हो सकती है। संतान आज आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोग आज अपने कामों पर पूरा फोकस बनाए रखेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होने से उलझन होगी, लेकिन बाद में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना आज पूरा होगा। आप आज किसी से अपने मन की बातों को शेयर करेंगे और वह आपकी बातों को अहमियत देगा। परिवार में लोग आपकी बातों का पूरा मान रखेंगे। संतान पक्ष से आपको खुशखबरी सुनने को मिलेगी, जिससे घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा। बच्चों के जरूरत का सामान खरीदने मार्केट जायेंगे।

तुला राशि :आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे। जीवन में संतुलन बनाए रखने की कोशिश करेंगे। आज कामों को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें। आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे। जीवन में खुशियों की प्राप्ती होगी। आज आप कई तरह की गतिविधियों में दिन बिताएंगे। इसके साथ ही कठिन से कठिन काम को पूरे निश्चय के साथ पूरे कर लेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। लोगों की नजरों में आपकी पॉजिटिव इमेज बनेगी। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपको समझ नहीं आएगा कि किसे पहले करूं और किसे बाद में। कंप्यूटर के स्टूडेंट्स को कुछ अच्छा सीखने का मौका मिलेगा। आज आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच करेंगे। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। दोस्तों के साथ पुरानी बाते याद करते हुए समय बितायेंगे। आज आपके अंदर सकरात्मक ऊर्जा बढ़ेगी। कुल मिलाकर आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं, जहां आप तोल मोलकर बोले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। एक दूसरे के भावनाओं की कद्र करेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगें बढाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। परिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। पिता से आज आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। आज ऐसी पुरानी चीज आपके हाथ लग सकती है, जिसे पा कर आपको खुशी महसूस होगी। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात करके समय बितायेंगे।

कुंभ राशि : आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते है वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। लवमेट आज साथ में समय बितायेंगे। रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जायेंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, तो सब ठीक हो जायेगा। जीवनसाथी से आज आपको उपहार मिलेगा।

मीन राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिये आपको ओवर टाईम करना पड़ेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जायेंगे। टूर-एंड-ट्रेवल्स संबंधी कार्यों में अच्छा लाभ होगा। आज अपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। माता आज अपने बच्चों को कुछ मीठा बना के खिला सकती हैं। घर के बुजुर्गों का स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर होगा।

सू- दोकू क्र.327

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र326 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

सुनो भाई उधो

एप-स्टीम के रहसलीला

परमानन्द वर्मा

अहा काला का बताबे,ये एपस्टिम के रहसलीला बताये नहीं सौहे देखेच के लइक हे। गजबेच सुंदर हे। सोशल मीडिया तो चौबीसों घंटा अपन स्क्रीन म देखावत हे। ओला लइका, सियान अउ जवान सबो आँखी फार फार के देखत हें। कोनो कोनो पूछत हें एमा का देखावत हे जी तब जौन देखे हें तेन मन बतावत हें जाके देख तब देखत रही जाबे फेर कोंनो फोर के स ही बात ला नइ बतावत है के ओमा देश विदेश के बड़े बड़े नेता अउ सूरमा मन के रहसलीला है। अब ओ रहसलीला काये, कइसन ढंग के हे जेला लेके संसार भर म तहलका मचे हे अउ ओ कलाकार मन के परा न छटके ले धरत हे, सब के होश् गायब होगे हे। इकरे ऊपर पढ़व ये छत्तीसगढ़ी आलेख ,,, एप स्टीम के रहस लीला,,,। 'देखे नहीं, सुने नहीं, समझे नहीं, जाने नहीं ये अइसे 'कोड वर्ड (संकेतक) शब्द हे जेला इशारा-इशारा मं केहे जाथे, सुनाय अउ समझाय जाथे। समझइया मन समझ जथे अउ भयरा, अंधरा, कोंदा अउ मंद बुद्धि वाला मन ला कतको कोचक-कोचक के, हुदर-हुदर के सुना, बता ले ओमन काहे-काहे काहत, चेंधत अउ पूछत रहि जथे। अतका 'टाइम मं पूरा खेल खतम हो जथे, आगी लगे घर हा जल के राख अउ खाख हो जथे। मुड़ी-पूछी ककरो कांही समझ नइ आवत होही, हवा के रुख ला देख के पंछी मन घला जान जथे के मौसम बदलइया हे इही पाके अपन ठौर-ठिकाना ला घला बदले ले धर लेथे। फेर मनखे जात अइसे कुभारज और मूरख ते चेंधते अउ सोचते रहि जथे, कुछु होवइया हे का, होगे हे का?

जाने बर तो अब सब जानते हे, बहुत देरी मं जानिस के कुछ जबर बात होगे हे देश मं फेर ककरो बक्का नइ खुलत हे, जना-मना ओकर मन के टोंटा (गला) ला कोनो भूत-परेत अउ मसान मन गला ला चपक दे हे? कोनो बइगा, गुनिया मन घला एकर मन के भूत, परेत ला उतार सकत हे? जउने हाथ लगाही तुन ला ओ भूत-परेत धर लिही, मसक दिही, चपक दिही, मरे बिहान हो जही।

कोनो-कोनो गोठियावत हे, सपट के सुनत हे,ओधहा मं दीवार मं, खिड़की मेर कान लगाके। अरे भइया जान दे जइसन नइ सुने, समझे, सोचे रेहेन तइसन चरित्तर होगे हे देश मं, नाक कटाय के लइक बात होगे हे।

पूछत रिहिसे तेनहा चेंधत ओला जउन घटना के जानकारी डर्रावत-डर्रावत, कांपत, हफरत बतावत रिहिसे, तिखार के पूछथे- अरे का बात होगे हे देश मं तेला बने फोर के बता ना?

ओहर कहिथे- मंय 'बीबीसी लन्दन बुलेटिन के न्यूज चैनल वाले नो हो, जउन बम्फाड़ कोनो खबर ला खोल के बता दौं, मंय 'आल इंडिया रेडियो'के संवाददाता अपन हौं खबर ला कांट-छांट के बताथौं। इंडिया के अइसने रिवाज हे।

सपट के पूछत रिहिसे तउन हा ओ खबरची ला कहिथे- काबर मुसुवा ला जइसे बिलई हा मुरकेट देथे, चपक देथे तइसे झझके असन खबर ला बतावत हवस जी, बने बता ना, का बात होगे हे, कहूं भूकंप आगे हे का, कोनो बड़े देश के नेता के अपहरण होगे हे, सत्ता परिवर्तन होगे हे, उलट-पुलट होगे हे, ककरो चीरहरण होगे हे, द्रौपदी असन, ते रूस, युक्रेन ,ईरान, भारत, चीन, अफगानिस्तान, बंगलादेश ला डोनाल्ड टंप हा रावन कस धमकावत हे। जउन देश ला देखबे तिहां के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ला जंगी बेड़ा भेजथौं कइके धमकी देवत रहिथे।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ट्रंप के तारी नइ पटत हे। कभू हां, कभू नहीं के बात ला सुन के ट्रंप बगियागे हे मोदी ऊपर। राजा संग रेहे तब खाय बीरो पान अउ नंगरा संग रइबे तब कटाय दुनो कान, कस हालत मोदी के होगे हे। बड़े मनखे के बड़े-बड़े चाल होथे। कइसनो करके फंसाये ले धरथे अइसने कस चाल चलके मोदी ला फंसा तो नइ दे हे? का एपस्टीन कहिथे तइसन जाल मं फंसा के अनफभक फोटो इंटरनेट मं देखावत हे सच का हे, गलत का हे तेला राम जानय फेर देश मं तो आगी लग गे हे। सब हांसत हे, काहत हे- अतेक बड़े नेता अउ अइसन चरित्तर।

मोदी खामोश हे सत्ताधारी दल के नेता मन के मुंह मं ताला ठेसा गे हे। विपक्ष के नेता अउ जनता मन तो ताली बजा-बजा के भजन गावत हे। अब दूध के दूध अउ पानी के पानी तब होही जब मोदी हा संसद मं सफाई दिही। लगथे पूरा मामला वइसने चक्रव्यूह असन हे। जइसन महाभारत मं अभिमन्यु ला इही चक्रव्यूह मं फंसाके कौरव मन मारे रिहिन हे। मोदी जब ट्रंप के आघू मन घुटना नइ टेकिस तब ओला सबक सिखाय खातिर इही चक्रव्यूह ला अपनाइस। शिकारी मन बहुत चुस्त, चालाक अउ हुशियार होथे, ओकर मन के निशाना फरक नइ खाय, एक तीर छोड़े मं शिकार ओकर पांव तरी आके गिर जथे। कवि चंद वरदाई के पंक्ति सुरता आथे ग

चार बांस चौबीस गज,
अंगुल अष्ट प्रमान,
ता ऊपर सुल्तान हे
मत चूको चौहान।।

एक नजर

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को मजबूत करने दिए निर्देश

जगदलपुर, 25 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने मंगलवार की शाम जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली, उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कलेक्टर श्री छिकारा ने स्वास्थ्य केंद्रों की रात्रि काल में उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों को रात्रि में निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में एएनसी जांच एवं संस्थागत प्रसव सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिन स्वास्थ्य केंद्रों में संस्थागत प्रसव की औसत 5 से कम होने की स्थिति में, वहां के संबंधित ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को नोटिस जारी करने को कहा और खराब प्रदर्शन वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के स्टाफकी ड्यूटी जिला अस्पताल में रोस्टर के अनुसार लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्रों में पेयजल समस्या के समाधान पर जोर देते हुए प्रसव सेवाएं सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने मातृ- शिशु मृत्यु दर की पृथक से विस्तृत समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा स्टील बर्थ के प्रत्येक प्रकरण की जांच के निर्देश दिए। सर्वेक्षण सूची के आधार पर सभी बच्चों का टीकाकरण पूर्ण करने तथा जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में बीसीजी का शत-प्रतिशत टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने कहा गया। कलेक्टर ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत टीबी, हायपर टेंशन, मानसिक स्वास्थ्य और जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए एक्टिव सर्विलांस, डेंगू के पीक सीजन में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने तथा सूअर पालन वाले क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस रोकथाम हेतु विशेष सतर्कता बरतने को कहा। टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार हेतु ई-संजीवनी के माध्यम से जिला अस्पताल स्तर पर प्रमुख सेवाएं शुरू करने तथा एआरवी रजिस्टर के सुव्यवस्थित संधारण पर बल दिया गया। अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड ब्लॉकिंग में संस्था स्तर पर शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर नियमित ब्लॉकिंग तथा डे-केयर पैकेज की ब्लॉकिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्राम पेंटा में बही रामचरित मानस की धारा

दंतेवाड़ा 25 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के कुआकोंडा ब्लॉक स्थित दूरस्थ गांव पेंटा में एक दिवसीय रामचरित मानस गान सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। स्वर धारा मानस मंडली पेंटा के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में दंतेवाड़ा एवं अन्य जिले से भी कुल 15 मानस मंडलियों ने उपस्थित होकर प्रस्तुति दी। सुबह से देर रात तक गांव में राम चरित मानस की चौपाइयाँ व भजनों से वातावरण अनुगूंजित रहा। भक्तिमय वातावरण में राम चरित मानस का रसपान करने पेंटा व आस-पास के इलाकों से श्रद्धालु कार्यक्रम के अंत तक मौजूद रहे। आयोजन में उपस्थित होने वाली मंडलियों को रामायण ग्रन्थ की प्रति और अन्य उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। जिन मानस मंडलियों ने प्रस्तुति दी, उनमें घलर लोक सांस्कृतिक एवं मानस मंडली घोटपाल, ज्ञान ज्योति मानस मंडली किरंदुल, माँ तपेश्वरी रामायण मंडली समलूर, ओमकारेश्वर बालिका मानस मंडली दंतेवाड़ा, सदाप्रेमानन्द मानस मंडली भूतपदर गीदम, तुलसी रामायण मंडली मंझार पारा नयापारा बालूद, श्रद्धा मानस मंडली किरंदुल, अन्नपूर्णा महिला मानस मंडली कोंटा, जय मां दंतेश्वरी मानस परिवार बचेली, श्री शिवा रामायण मंडली मंझार पारा बालूद, कल्कि रामायण मंडली चंदेनार, मां गंगनादई मानस मंडली पड़ियार पदर बालूद, श्रीराम भजन मंडली हिड़पाल गीदम, सुर संगम मानस मंडली दंतेवाड़ा शामिल थे। दूरस्थ अंचल के गांव पेंटा में 35 वर्ष पूर्व रामायण मंडली का गठन किया गया था, जो हर साल अनवरत रामलीला मंचन के लिए क्षेत्र में मशहूर हो चुकी है। विभिन्न समुदायों के बीच समरसता की मिसाल बन चुकी मंडली को जिले के अन्य हिस्सों में भी रामलीला मंचन के लिए आमंत्रित किया जाने लगा है।

बचेली में सभी लोगों ने मिलकर मार्ग चौड़ीकरण में बाधक टीलों,चट्टानों का हटाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 25 फरवरी। मंगलवार दिनांक 24 फरवरी को लौहनगरी बचेली के स्थानिय ठेकेदार एवं ठेकेदार संघ के सचिव हरिशंकर मुखर्जी, बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन ,पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कमलजीत पाटले, बचेली थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार साहू,बचेली नगरपालिका के जनप्रतिनिधियों ने ऐसा ही सकारात्मक योगदान देकर मिसाल कायम की है। बचेली दंतेवाड़ा मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण में वर्षो से बाधक बने बचेली पुराना मार्केट से गौरव पथ के बीच अधुरी निर्माणाधीन सडक मार्ग को चौड़ी करने में बाधक बन रहे बड़े बड़े चट्टानों एवं मट्टी के टीलो को स्वयं पोकलेन, टिप्पर, ट्रेक्टर लगाकर हटाया।

स्थानीय लोगों का कहना है की सड़क चौडीकरण का उक्त कार्य को लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाना था परंतु विभागीय अधिकारीयो की लापरवाही एवं एन.सी नहर कंस्ट्रक्शन की चुप्पी का दंश वर्षो से लोग व राहगीर झेल रहे थें वहीं दुर्घटनाओं का शिकार होकर कई लोगों को अपनी जान तक गवानी पड़ी हैं। जिसे देखते हुए ठेकेदार हरिशंकर मुखर्जी बचेली नगरपालिका उपाध्यक्ष एवं नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी सतीश प्रेम चंदानी (गंजु) पार्षद संजीव साव (गुड्डा) पार्षद मनोज साहा बि.टी.ओ.ए के सदस्य देवेंद्र नायक सहसचिव विस्वजीत सरकार (पिंकु) मौके पर उपस्थित होकर उक्त कार्य को पूर्ण करवाया।

"विकास कार्यों में जब जनता जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारीयो की संयुक्त सहयोग मिलती है तो विकास कार्य न केवल तेजी से बल्कि गुणवत्ता के साथ मूर्तरूप लेते हैं।"

विस्वजीत पिंकु सरकार
(सहसचिव बि.टी.ओ.ए)

तीन साल पहले भूपेश सरकार के समय 10 लाख रुपए की लागत से

ई रिक्शा चार्जिंग स्टेशन का स्ट्रक्चर बनाकर उसे सहेजना भूली नगर पालिका

- बनाए गए स्ट्रक्चरों में जानवर घुसकर सो रहे, शटर भी टूटने लगा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 25 फरवरी। शासन, जिला प्रशासन व नगर प्रशासन की अनदेखी एवं अरूचिपूर्ण क्रियाकलापों का खामियाजा प्रदेश एवं जिले की जनता को भुगतना पड़ता है। यह इस वजह से कहना पड़ रहा है कि दंतेवाड़ा नगर पालिका क्षेत्र में महिला ई-रिक्शा चालकों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से तीन साल पूर्व कांग्रेस की भुपेश सरकार ने ई रिक्शा चार्जिंग स्टेशन खुलवाने की दिशा में काम शुरू किया था। शुरूआती स्टेज में इसके स्ट्रक्चर (ढांचा) के लिए राशि भी आबंटित कर दी गई थी दुसरे फेज में स्ट्रक्र के अंदर चार्जिग मशीने लगनी थी लेकिन वो हो नहीं पाया और इसे आधे अधूरे हालत में छोड़ दिया गया ।

नगर में 4 जगहों पर ई-रिक्शा चार्जिग प्वाइंट स्टेशन निर्माण के लिए एनएमडीसी से 10 लाख रूपए की राशि जारी हुई थी। स्ट्रक्चर बनाने निर्माण कार्य एजेंसी नगर पालिका को बनाया गया था। नगर पालिका क्षेत्र दंतेवाड़ा में चार्जिग स्टेशन एक पालिका कार्यालय के समीप, दुसरा दुर्गा चौक के समीप, तीसरा आंवराभाटा रेल्वे क्रासिंग के समीप तथा चौथा स्ट्रक्र हाईस्कूल रोड एपीएस मार्ट के बाजू में बनाए गए थे। स्ट्रक्चर तो बना दिए गए जिसके बाद इसके अंदर चार्जिग मशीनें लगनी थी लेकिन तब तक सरकार बदल गई और मामला ठंडे बस्ते में चला गया । ई-रिक्शा चलाने वाले बहनों के लिए बड़ी बड़ी बातें करने वाली सरकार उन्हें सपना तो दिखाई कि उन्हें रिक्शा की चार्जिग के लिए कही भटकना नहीं पड़ेगा सारी व्यवस्था उन्हें उनके शहर में ही उपलब्ध करा दी जाएगी। वो तो हो नहीं सका सरकार, व प्रशासन से। अब दुसरा मसला यह है कि जो 4 चार्जिग प्वाइंट स्टेशन लाखों रूपए की लागत से बनाया गया है उसे भी पालिका सहेज नहीं पा रही है। बनाए गए स्ट्रक्रों की देखरेख उनका मेंटनेंस नगर पालिका के जिम्मे हैं। वहीं नगर पालिका इस ओर ध्यान नहीं दे रही। जिसके परिणाम स्वरूप स्ट्रक्चर में लगाए गए शटर टूटने उखड़ने लगे हैं। लोग इसमें कब्जा कर रहे हैं तो किसी स्ट्रक्चर में कोई अपने दुकान का सामान रख रहा है तो किसी में जानवर घुसकर सो रहे हैं। बड़ा सवाल यहां पालिका से यह कि जब आपके आधिपत्य में यह स्ट्रक्र है जिसे आपने बनाया है तो इसकी देखरेख इसको सहेजने की तथा स्ट्रक्र के मेंटनेंस की जिम्मेदारी भी आपकी अर्थात पालिका की बनती है। अगर आज इसकी ये दुदर्शा है तो इसके लिए सीधे तौर पर नगर पालिका प्रशासन की सुस्त एवं लापरवाह कार्यप्रणाली को ही जिम्मेदार माना जाएगा।

बिजली गुल होने से पांच वार्डों की की आबादी रही प्रभावित

- अवरुद्ध मार्ग एवं बिजली,पेय जल आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 25 फरवरी। बुधवार दिनांक 25 फरवरी को बचेली वार्ड क्रमांक 08 पुराना मार्केट स्थित पशु चिकितशालाय में सुबह 05:00 बजे विशालकाय जामुन का वृक्ष टूटकर गिर गया झाड़ गिरने के दौरान अपनी चपेट में बिजली की ट्रांसफार्मर खम्बों और तार को लेते हुई गिरी जिस्से घटना स्थल के समीप सेहोकर गुजरने वाली सड़क मार्ग में आवागमन भी ठप हो चुकी हैं। वार्डवासियों से सूचना मिलने पर नगरपालिका अध्यक्ष राजू जायशवाल वार्ड क्रमांक 08 के पार्षद संजीव साव गुड्डा वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद मनोज साहा ने वन परिक्षेत्र अधिकारी शिव टंडन एवं बिजली घर के अभियंता को सुबह पेड़ गिरने की सूचना दे दी अधिकारियों ने कहा कि विद्युत एवं वनविभाग के कर्मचारियों को मौके पर भेजा जा रहा है ताकि पेड़ को हटाया जा सके और विद्युत आपूर्ति को जल्द से जल्द बहाल किया जा सके।

बजट में नहीं दिखी जमीनी सच्चाई,सिर्फ राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश: तुलिका कर्मा

- छत्तीसगढ़ का बजट उम्मीदों पर फेल,जनता के साथ हुआ अन्याय
- राहत की जगह निराशा, रोजगार की जगह सिर्फ दिया भाषण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 25 फरवरी। 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जिला पंचायत सदस्य एवं महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव तुलिका कर्मा ने कहा कि यह बजट जनता को गुमराह करने वाला और पूरी तरह निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि यह बजट आम आदमी, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं की वास्तविक जरूरतों से पूरी तरह कट चुका है।

तुलिका कर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली से जूझ रही है, लेकिन सरकार ने बजट में इन ज्वलंत मुद्दों के समाधान के लिए कोई ठोस रोडमैप प्रस्तुत नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने आंकड़ों और शब्दों की चमक-दमक से वास्तविक समस्याओं को ढंकने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों और बस्तर अंचल के विकास के नाम पर हर साल बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर न तो अधोसंरचना मजबूत हो रही है और न ही युवाओं को स्थायी रोजगार मिल पा रहा है। पंचायतों को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए पर्याप्त बजट प्रावधान नहीं किए गए, जिससे गांवों में विकास कार्य प्रभावित होंगे। तुलिका ने युवाओं के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि प्रदेश का युवा रोजगार के अवसरों की प्रतीक्षा कर रहा है, लेकिन बजट में न तो नई भर्तियों की स्पष्ट घोषणा है और न ही स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ठोस आर्थिक पैकेज। उन्होंने कहा कि सरकार केवल आंकड़ों का खेल खेल रही है, जबकि जमीन पर बेरोजगारी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। तुलिका कर्मा ने किसानों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित राज्य होने के बावजूद किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और कृषि ऋण राहत के लिए कोई प्रभावी पहल नजर नहीं आती। महंगाई के इस दौर में किसानों और आम उपभोक्ताओं को राहत देने की बजाय सरकार ने औपचारिक घोषणाओं तक खुद को सीमित रखा है।महिलाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों, पोषण, मातृत्व सुरक्षा और छात्राओं की शिक्षा को लेकर अपेक्षित गंभीरता बजट में दिखाई नहीं देती। यह बजट सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की अवधारणा से भटका हुआ है। तुलिका ने आरोप लगाया कि यह बजट दूरदर्शी विकास योजना का दस्तावेज न होकर राजनीतिक संतुलन साधने का प्रयास मात्र है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव और ठोस काम चाहती है, न कि कागजी दावों और भाषणों का सिलसिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस बजट की कमियों को लेकर जनता के बीच जाएगी और प्रदेश हित में सरकार से जवाब मांगेगी। ÷यह बजट विकास का नहीं, बल्कि विश्वास तोड़ने का दस्तावेज है।

युवाओं के सपनों को पंख देने वाला बजट: राहुल असरानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 25 फरवरी। भारतीय जनता युवा मोर्चा दंतेवाड़ा जिला अध्यक्ष राहुल असरानी ने बजट भाषण का अध्ययन करने के बाद इसे युवाओं के सपनों और अवसरों का बजट बताया है।श्री असरानी ने कहा की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार द्वारा प्रस्तुत 2026-27 का बजट ज्ञान, गति, एवं संकल्प आधारित बजट है। श्री असरानी ने कहा कि यह बजट केवल विकास का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं को शिक्षा, रोजगार, कौशल और खेल के माध्यम से आगे बढ़ाने का मजबूत संकल्प है। सरकार ने शिक्षा, अधोसंरचना, उद्योग, स्टार्टअप और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस किया है, जिससे छत्तीसगढ़ का युवा आत्मनिर्भर बन सके। राहुल असरानी ने कहा कि बस्तर और दंतेवाड़ा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी की स्थापना, मेडिकल कॉलेज, सड़क कनेक्टिविटी, खेल आयोजनों जैसे बस्तर ओलंपिक तथा इंटरनेट सुविधा के विस्तार से युवाओं को नई दिशा मिलेगी। इससे आदिवासी अंचल के युवाओं को अपने क्षेत्र में ही बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास, नए औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना और निवेश को बढ़ावा देने के प्रावधानों से प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। युवा वर्ग को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा। युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल असरानी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बजट साबित करता है कि सरकार युवाओं को केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि राज्य निर्माण की शक्ति मानती है। अंत में राहुल असरानी ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा दंतेवाड़ा जिले के प्रत्येक युवाओं तक इस बजट की जानकारी पहुंचाएगा और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगा।

विकास को नई दिशा देगा 2026-27 का राज्य का बजट: संतोष गुप्ता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम 25 फरवरी। भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने वर्ष 2026-27 के छत्तीसगढ़ बजट का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के समग्र विकास के साथ-साथ बस्तर और दंतेवाड़ा जिले के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। उन्होंने कहा कि इस बजट में बस्तर अंचल के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज शुरू करने का प्रावधान किया गया है, जिससे क्षेत्र के युवाओं को बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। बस्तर में एजुकेशन सिटी की स्थापना के लिए राशि निर्धारित की गई है, जिससे आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को उच्च शिक्षा की सुविधा अपने क्षेत्र में ही मिलेगी। संतोष गुप्ता ने बताया कि इंद्रावती नदी पर बैराज निर्माण और नहर परियोजना से हजारों हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। दंतेवाड़ा और बस्तर क्षेत्र में सड़कों के निर्माण और उन्नयन के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है, जिससे गांव-गांव तक बेहतर कनेक्टिविटी होगी। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों से युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। बस्तर विकास प्राधिकरण के लिए भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया गया है। प्रदेश स्तर पर महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, अधोसंरचना और निवेश को बढ़ावा देने के लिए बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। महतारी वंदन योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं और गरीब वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा। यह बजट विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में मजबूत कदम है और इससे बस्तर तथा दंतेवाड़ा जिले का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा।

जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और आम लोगों की सहभागिता बढ़ाने के लिए

दंतेवाड़ा एसपी के नेतृत्व में एतियात अभियान की शुरुआत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 25 फरवरी। जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और आमजन के साथ पुलिस की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन के दिशा निर्देशन में ÷ऐतियात÷ नामक सामुदायिक पुलिसिंग अभियान की शुरुआत की गई है। इस पहल के माध्यम से बचेली पुलिस न केवल सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने का कार्य भी कर रही है।

अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें साइबर अपराध, नशामुक्ति, महिला एवं बाल सुरक्षा, यातायात नियमों और सामाजिक सौहार्द जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास ही सुरक्षित समाज की नींव है। ÷ऐतियात÷ का उद्देश्य इसी विश्वास को और मजबूत करना है।

विशेष रूप से साइबर फ्रॉड से बचाव को लेकर लोगों को 222.ष्ड्ढद्दह्वद्धद्दद्द.द्दश्1.द्धठ्ठ? पोर्टल एवं टोल-फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई, ताकि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराई जा सके। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना या हेल्पलाइन नंबर पर दें।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पुलिस जवानों की सक्रिय भागीदारी और जागरूकता संदेशों ने लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से पुलिस और जनता के बीच की दूरी कम होती है तथा समाज में सुरक्षा की भावना मजबूत होती है।

दंतेवाड़ा पुलिस का यह प्रयास स्पष्ट करता है कि वह केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सुरक्षित, जागरूक और सशक्त वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। ÷ऐतियात÷ अभियान आने वाले समय में भी निरंतर जारी रहेगा, जिससे जिले में शांति, सुरक्षा और विश्वास का माहौल और अधिक सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम को पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कमलजीत पाटले, साइबर सेल प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक गौरव ठाकुर एवं थाना प्रभारी बचेली प्रहलाद कुमार साहू लीड कर थे !

चिरायु दल ने लौटाई मासूम रंजना की मुस्कान

जगदलपुर, 25 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बकावण्ड ब्लॉक के ग्राम जामगुड़ा (धनपुर) में रहने वाले महेश भारती के घर जब बेटी रंजना का जन्म हुआ, तो खुशियों के साथ-साथ एक गहरी चिंता ने भी दस्तक दी। मासूम रंजना जन्मजात श्कलेफ्ट लिपश् (कटे होंठ) की समस्या से ग्रसित थी। जैसे-जैसे रंजना बड़ी हो रही थी, माता-पिता के मन में अपनी बेटी के भविष्य, उसकी पढ़ाई और समाज में उसे मिलने वाली स्वीकार्यता को लेकर डर गहराता जा रहा था। सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक तंगी थी। एक साधारण परिवार के लिए निजी अस्पतालों में ऑपरेशन का भारी-भरकम खर्च उठा पाना असंभव सा था, जिससे माता-पिता स्वयं को असहाय महसूस कर रहे थे।

साय सरकार के 2026-27 के संकल्प आधारित तीसरे बजट में

रायगढ़ जिले के सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 फरवरी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने विधानसभा में वर्ष 2026-27 का संकल्प-आधारित बजट प्रस्तुत किया। सुशासन की प्रतिबद्धता के साथ प्रस्तुत यह बजट नीति, न्याय, निवेश, निर्माण और नवाचार के पंचतत्त्वों पर आधारित है। विकसित छत्तीसगढ़ के विजन डॉक्यूमेंट 'छत्तीसगढ़ अंजोर-2047' के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में इसे एक दूरदर्शी और परिणाममुखी कदम माना जा रहा है।

प्रदेश सरकार का यह तीसरा बजट है। पहले बजट में ज्ञान की आधारशिला रखी गई थी, दूसरे में विकास की गति को तीव्र करने की रणनीति प्रस्तुत की गई और अब तीसरा बजट समृद्ध एवं खुशहाल छत्तीसगढ़ के निर्माण का स्पष्ट संकल्प लेकर आया है। इस बजट में रायगढ़ जिले को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिससे जिले के सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

शिक्षा क्षेत्र में बड़ा निवेश : बजट में प्रदेश के पांच शासकीय महाविद्यालयों में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें रायगढ़ भी शामिल है। जिले के प्रतिष्ठित किरोड़ीमल शासकीय महाविद्यालय को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा और विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक संसाधनों का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त रायगढ़ में नवीन सीजीआईटी (छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) की स्थापना का प्रावधान किया गया है, जिससे तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के लिए रायगढ़ में 100-100 सीटर पोस्ट मैट्रिक छात्रावास निर्माण का प्रावधान भी किया गया है। यह पहल बेटियों की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन देने के साथ सुरक्षित एवं सुलभ आवास सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अधोसंरचना परियोजनाओं से विकास को गति: प्रदेश में बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को भी बजट में शामिल किया गया है। रायपुर से विशाखापट्टनम एक्सप्रेस-वे तथा खरसिया से परमालकसा रेलवे लाइन जैसी परियोजनाएं क्षेत्रीय विकास, व्यापार और औद्योगिक प्रगति को नई दिशा देंगी। इन परियोजनाओं से रायगढ़ सहित पूरे अंचल में आवागमन सुगम होगा और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

सामाजिक सरोकारों को सशक्त आधार: रायगढ़ के पंडरीपानी क्षेत्र में 100 सीटर दृष्टि एवं श्रवणबाधित विद्यालय तथा छात्रावास निर्माण के लिए 6 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षा और आवास की बेहतर सुविधा सुनिश्चित करेगा। साथ ही राज्य के सभी जिलों में नशामुक्ति केंद्रों के संचालन के लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह पहल सामाजिक सुधार, जनजागरूकता और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। समग्र रूप से देखा जाए तो वर्ष 2026-27 का यह बजट रायगढ़ को शिक्षा, अधोसंरचना और सामाजिक विकास के नए आयाम प्रदान करने वाला साबित होगा। यह बजट जिले को विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समाचार संक्षेप

आयुर्वेद चिकित्सा शिविरों से ग्रामीणों में बढ़ रही जागरूकता

430 ग्रामीणों का किया गया निःशुल्क उपचार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 फरवरी। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ.सी.एस. गौराहा के मार्गदर्शन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय बुनगा द्वारा गांव-गांव में आयुर्वेद चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को आयुर्वेद पद्धति के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ निःशुल्क उपचार भी प्रदान किया जा रहा है।

औषधालय बुनगा के डॉ. अजय नायक द्वारा विभिन्न ग्रामों में शिविर लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। शिविरों में मुख्य रूप से वात रोग, उदर रोग, कास (खांसी), चर्म रोग, उच्च रक्तचाप (बीपी), कमजोरी आदि से पीड़ित मरीजों का उपचार कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया। फरवरी माह में नावापारा (ब), बोन्दा, रायपाली, बरपाली, शंकरपाली, रनभाठा, पूसल्दा एवं सेमीभावर में शिविर आयोजित किए गए, जिनमें कुल 430 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

डॉ. जागृति पटेल द्वारा शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को जीवनशैली जनित रोगों, संतुलित आहार-विहार, योगासन, स्वच्छता एवं नशामुक्ति के संबंध में पाम्पलेट के माध्यम से विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया।

एक नजर

नगरी ब्लॉक के श्रमिकों को मिलेगा 5 रुपये में गरम एवं पौष्टिक भोजन

धमतरी, 25 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगरी ब्लॉक के श्रमिकों को अब मात्र 5 रुपये में गरम एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए नगरी नगर मुख्यालय में शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के संचालन हेतु स्थल चयन एवं आवश्यक अधोसंरचना की व्यवस्था करने के निर्देश श्रम विभाग को जारी कर दिए गए हैं। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि यह योजना छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत श्रमिकों के कल्याणार्थ संचालित है। वर्तमान में यह योजना धमतरी के कचहरी चौक में संचालित हो रही है, जहां मंडल में पंजीकृत निर्माणी एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 5 रुपये में गरम एवं पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाता है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सार्वा द्वारा नगरी ब्लॉक के श्रमिकों को भी इस योजना का लाभ दिलाने हेतु कलेक्टर को पत्र प्रेषित किया गया था। इसके बाद कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा द्वारा श्रम विभाग को नगरी में श्रम अन्न केन्द्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। श्रमायुक्त, छत्तीसगढ़ द्वारा इसे शीघ्र प्रारंभ करने की अनुमति भी प्रदान कर दी गई है। श्रम पदाधिकारी श्री एन.के. साहू ने बताया कि नगरी ब्लॉक में शीघ्र ही नवीन श्रम अन्न केंद्र प्रारंभ किया जाएगा, जिससे दूरस्थ अंचल के श्रमिकों को भी 5 रुपये में गरम भोजन की सुविधा मिल सकेगी। प्रतिदिन सैकड़ों श्रमिक इस योजना से लाभान्वित होंगे।

धमतरी में मखाना की खेती को मिलेगा बढ़ावा, बढ़ेगी किसानों की आय

धमतरी, 25 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पारंपरिक फसलों के साथ अब मखाना की खेती किसानों के लिए एक नया और लाभकारी विकल्प बनकर उभर रही है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर जिले में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिससे किसानों को फसल विविधीकरण के साथ बेहतर आमदनी का अवसर मिल सके। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 में संचालित Central Sector Scheme for Development of Makhana के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग को जिले के लिए भौतिक लक्ष्य प्रदान किया गया है। योजना के तहत तालाब में मखाना खेती (Pond Cultivation) हेतु 96.43 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें प्रति हेक्टेयर 71,600 रुपये का अनुदान प्रदान किया जाएगा। वहीं खेत में मखाना खेती (Field Cultivation) के लिए 27.42 हेक्टेयर का लक्ष्य तय किया गया है, जिसके लिए प्रति हेक्टेयर 52,800 रुपये की अनुदान राशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त कृषकों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती के लिए तकनीकी प्रशिक्षण, बीज चयन, रोपण, फसल प्रबंधन एवं विपणन संबंधी मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। जिला प्रशासन की सक्रिय पहल एवं उद्यानिकी विभाग के तकनीकी सहयोग से अब तक जिले की 7 ग्राम पंचायतों–छाती/डाडेसरा (29 एकड़), पीपरछेड़ी (6 एकड़), सरसोंपुरी (5 एकड़), राखी (15 एकड़), रांकाडीह (30 एकड़), मोतिमपुर (15 एकड़) एवं सांकरा (25 एकड़)–में कुल 125 एकड़ क्षेत्र में मखाना की खेती प्रारंभ की जा चुकी है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सख्ती बढ़ी

कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने ली अहम बैठक

■ फीस, पाठ्यपुस्तक और मान्यता संबंधी नियमों का अनिवार्य पालन, उल्लंघन की स्थिति में मान्यता समाप्ति की होगी कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 फरवरी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिले में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.व्ही.राव ने जिले के सभी अशासकीय विद्यालयों के संचालकों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.राव ने कहा कि सभी निजी विद्यालय अपने यहां लागू गणवेश का नमूना विद्यालय परिसर में प्रदर्शित करेंगे। साथ ही सत्र 2026-27 में लागू पाठ्यक्रम की सूची भी सूचना पटल पर अनिवार्य रूप से चस्पा की जाएगी। इसके अतिरिक्त सूचना पटल पर यह स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होगा कि विद्यार्थी गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकें खुले बाजार से कहीं से भी खरीद सकते हैं। किसी भी विद्यार्थी या पालक को किसी विशेष दुकान से सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि विद्यालयों द्वारा ली जाने वाली अधिसूचित फीस का मदवार विवरण सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जाए। साथ ही विभागीय मान्यता एवं संबंधित बोर्ड की संबद्धता की प्रति भी सार्वजनिक रूप से लगाई जाए, ताकि पालकों को पूरी पारदर्शिता मिल सके।

डॉ.राव ने शिक्षा संहिता के अध्याय-6 की कंडिका 95 एवं 96 के अनुसार ही पाठ्यपुस्तकों का चयन करने के निर्देश दिए। चयनित पुस्तकों की सूची संबंधित बोर्ड से अनुमोदित कर सूचना पटल पर प्रदर्शित करने के साथ उसकी एक प्रति जिला शिक्षा कार्यालय में जमा कराना भी अनिवार्य होगा। कंडिका 97 के तहत स्वीकृत पाठ्यपुस्तकों में परिवर्तन की निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा। स्पष्ट निर्देश दिए गए कि कोई भी विद्यालय अपने नाम से कॉपी या किताबों का मुद्रण नहीं कराएगा और न ही किसी विशेष दुकान से खरीदने के लिए विद्यार्थियों को बाध्य करेगा।

जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि किसी भी विद्यालय में नियमों के विपरीत स्थिति पाई जाती है तो संबंधित संस्था के विरुद्ध नियमानुसार मान्यता समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संस्था की स्वयं की होगी।

नशामुक्ति अभियान के तहत 15 मेडिकल स्टोर्स को कड़ी चेतावनी

बिना डॉक्टर पर्ची दवा बिक्री पर सख्ती

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 फरवरी। रायगढ़ जिले में नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए स्वापक एवं मनःप्रभावी औषधियों के अवैध क्रय-विक्रय और भंडारण पर रोक लगाने के उद्देश्य से व्यापक जांच अभियान चलाया। यह कार्रवाई भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत की गई। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न औषधि प्रतिष्ठानों में सघन जांच और निरीक्षण किया। इस दौरान कुल 15 मेडिकल स्टोर्स के संचालकों को नियमों का पालन सुनिश्चित करने हेतु कड़ी चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने सख्त निर्देश दिए कि बिना डॉक्टर की वैध प्रिस्क्रिप्शन के किसी भी प्रकार की नशीली या मनः प्रभावी दवाइयों का क्रय-विक्रय न किया जाए।

निरीक्षण के दौरान दवा विक्रेताओं को संबंधित कानूनों, भंडारण नियमों तथा रिकॉर्ड संधारण के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। जिन मेडिकल स्टोर को इस संबंध में चेतावनी दी गई है इनमें गुजराल मेडिकल, सलूजा, लक्ष्मी, महामिया, प्रमोद, निरूपमा, आशीर्वाद, नेहा, विजय मेडिकल सहित अन्य मेडिकल स्टोर शामिल है। सहायक औषधि नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कहा कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जल जीवन मिशन के सभी कार्यों को 31 मार्च तक गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप पूरा करें : कलेक्टर

पूर्ण ग्राम पंचायतों को तत्काल करें हैंडओवर, उदासीनता बरतने वालों पर कार्रवाई के निर्देश

■ गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 फरवरी। कलेक्टोरेट सभा कक्ष, रायगढ़ में आज जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक कलेक्टर सह-अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन मयंक चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई और लंबित तथा प्रगतिरत कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायगढ़ की कार्यपालन अभियंता श्रीमती प्रतिभा नवरत्न सहित जिले के सभी विकासखंडों के सहायक अभियंता, उप अभियंता एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान कलेक्टर चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय योजना जल जीवन मिशन के अंतर्गत सभी निर्माण एवं स्थापना कार्य 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग, सतत स्थल निरीक्षण एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, वहां योजनाओं को नियमानुसार ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करने की प्रक्रिया तत्काल सुनिश्चित की जाए। यदि किसी पंचायत स्तर पर राष्ट्रीय योजनाओं के पूर्ण होने के बाद हैंडओवर लेने में किसी प्रकार की समस्या आ रही हो, तो ऐसी ग्राम पंचायतों की सूची जिला पंचायत सीईओ को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रति उदासीनता बरतने वाली पंचायतों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। कलेक्टर ने विभागीय तकनीकी टीम को जल जीवन मिशन के कार्यों की सतत निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ठेकेदारों से एक-एक कार्य की समीक्षा करते हुए विभागीय समन्वय के अभाव में रुके हुए कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया कि जिले के प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में सभी अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करते हुए जल जीवन मिशन के लक्ष्यों की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जनगणना-2027: एक भी व्यक्ति या परिवार गणना से न छूटे, प्रशिक्षण को जिम्मेदारी से लें अधिकारी-कर्मचारी

जनगणना शुद्धता के साथ पूरा करना है, इसलिए प्रशिक्षण को गंभीरता से समझे : कलेक्टर

■ मकान सूचीकरण 1 से 30 मई 2026 तक, पूर्णतः डिजिटल माध्यम से संचालित होगी प्रक्रिया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 25 फरवरी। आगामी जनगणना-2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियाँ तेज कर दी हैं। राज्य शासन के निर्देश पर कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जनगणना के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन कलेक्टोरेट सभाकक्ष में किया गया। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तृत तकनीकी, प्रशासनिक एवं विधिक जानकारी प्रदान की गई।

कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी ने जनगणना कार्य को राष्ट्रीय महत्व का दायित्व बताते हुए कहा कि यह केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि भविष्य की विकास योजनाओं की आधारशिला होगी। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और मैदानी कार्य में पूर्ण सावधानी, पारदर्शिता एवं प्रतिबद्धता के साथ दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि एक भी व्यक्ति या परिवार गणना से वंचित नहीं रहना चाहिए, क्योंकि अपूर्ण या त्रुटिपूर्ण आंकड़े विकास योजनाओं को प्रभावित कर सकते हैं।

प्रशिक्षण में बताया गया कि जनगणना-2027 दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण के अंतर्गत 1 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन) किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक भवन एवं मकान का डिजिटल माध्यम से सूचीकरण होगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय एवं अन्य आवश्यक जानकारी संकलित की जाएगी।

कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों को जनगणना के महत्व के प्रति जागरूक करें और उन्हें सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जनगणना की सफलता सूक्ष्म योजना, प्रभावी समन्वय और सटीक क्रियान्वयन पर निर्भर करती है।

राज्य मास्टर ट्रेनर श्री अशोक मिश्रा, श्री कैलाश चन्द्र पण्डा एवं श्री शेष प्रसाद पण्डा ने प्रशिक्षण के दौरान जनगणना की प्रक्रियाओं, मैदानी क्रियान्वयन, तकनीकी पहलुओं तथा कानूनी प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार संपूर्ण प्रक्रिया जनगणना प्रबंधन पोर्टल एवं मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से पूर्णतः डिजिटल रूप में संचालित की जाएगी, जिससे डेटा की शुद्धता, पारदर्शिता और त्वरित विश्लेषण सुनिश्चित होगा।

जनगणना निदेशालय द्वारा तहसीलवार सॉफ्ट फाइल उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें प्रत्येक राजस्व ग्राम एवं नगरीय क्षेत्र को पूर्व सत्यापित मानचित्र के अनुरूप दर्शाया गया है। तहसील स्तर पर इन फाइलों की सूक्ष्म जांच की जाएगी तथा किसी भी विसंगति की स्थिति में आवश्यक संशोधन कर अद्यतन जानकारी प्रेषित की जाएगी। अधिकारियों को पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया तथा उपस्थित चार्ज अधिकारियों की शंकाओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण में सपोर्टिव सुपरविजन, स्व-गणना प्रक्रिया, उत्तरदाता की भूमिका, प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के दायित्व, डेटा नैतिकता, गोपनीयता एवं सुरक्षा, मोबाइल एवं वेब एप से संबंधित समस्याओं के निराकरण, समय-सीमा के पालन, जनशक्ति प्रबंधन एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सीएमएमएस के मॉड्यूल, उपयोगकर्ता पंजीकरण एवं एचएलओ प्रबंधन संबंधी प्रक्रियाओं की भी जानकारी दी गई।

शिविर में दिव्यागों को लाखों का बायोनिक हैंड निशुल्क दिया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ में दिव्यांगजनों के लिए संचालनालय, समाज कल्याण विभाग रायपुर, द्वारा निःशुल्क बायोनिक (कृत्रिम) हाथ वितरण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में कोहनी से हाथ गंवा चुके दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक बायोनिक हैंड निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। निजी क्षेत्र में जिसकी कीमत लगभग 4 से 5 लाख रुपये तक होती है, वही उपकरण शासन की पहल पर पात्र हितग्राहियों को बिना किसी शुल्क के प्रदान किया जा रहा है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के चयनित हितग्राहियों को राजधानी रायपुर भेजा गया। इनमें भूपेंद्र कुमार ध्रुव (ग्राम बनियाटोरा, विकासखंड मगरलोड), चेतन राम साहू (ग्राम करेली छोटी, विकासखंड मगरलोड), बिसाली राम साहू (ग्राम गुजरा, विकासखंड धमतरी), सोमप्रभा निषाद (ग्राम भटेली, नगर पंचायत भखारा) एवं उचित राम ध्रुव (ग्राम सिलौटी, विकासखंड मगरलोड) शामिल रहे। शिविर में बायोनिक हाथ लगने के बाद हितग्राहियों ने खुशी जाहिर की। बनियाटोरा निवासी श्री भूपेंद्र कुमार ध्रुव ने कहा कि बायोनिक हाथ मिलने से उनके जीवन में नई उम्मीद जगी है और अब वे दैनिक कार्य स्वयं कर सकेंगे।

एक नजर

सड़क हादसे में कालकापारा के बाइक सवार दो युवकों की मौत

डोंगरगढ़ 25 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। रविवार की रात्रि लगभग पौने ग्यारह बजे बधियाटोला से मुरमुंदा जाने वाले सड़क मार्ग पर ग्राम राका मोड़ के पास हीरो करिश्मा स्पोर्ट्स बाईक में सवार दो युवकों का दर्दनाक हादसा हो जाने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिसकी जानकारी मिलते ही पूरे कालकापारा में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों युवक डोंगरगढ़ के कालकापारा निवासी हैं। बताया जाता है कि तुषार डोंगरे पिता संजीव डोंगरे उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड नं 10 कालकापारा व सूरज विश्वकर्मा पिता स्व. दीपकलाल विश्वकर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी वार्ड नं 10 कालकापारा दोनों नवयुवक स्पोर्ट्स बाईक से मुरमुंदा की ओर तेज गति से जा रहे थे कि ग्राम राका मोड़ के पास सड़क किनारे लगे खंभे से टकरा घर के बाउंड्रीवाल की दीवार से जा टकराए। बताया जाता है कि युवकों के द्वारा लापरवाही पूर्वक तेज गति से वाहन चलाया जा रहा था और मोड़ के पास अनियंत्रित होने के कारण सड़क किनारे खंभे से जा टकराए। वहीं बताया गया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लोहे का खंभा मुड़ गया और बाईक सवार दोनों युवक हवा में दूर फेंकाते हुए दीवार से टकराए तो 9 इंच दीवार भी टूट गई। गांव वालो के द्वारा घटना की जानकारी 112 को दी गई जिसके माध्यम से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ लाया गया जहां डाक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

नेफेड के बोर्ड की बैठक में शामिल होने के लिए द्विवेदी दिल्ली रवाना

डोंगरगढ़ 25 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ मर्यादित (नेफेड) नई दिल्ली के बोर्ड की बैठक में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) के प्राधिकारी (अध्यक्ष) शशिकांत द्विवेदी दिल्ली रवाना हुए। मार्कफेड के प्राधिकारी श्री द्विवेदी ने बताया कि 25 फरवरी 2026 को नेफेड भवन नई दिल्ली में नेफेड के निदेशक मण्डल की बैठक आहूत की गई है। जिसमें किसानों के हित में कई निर्णय लिए जाएंगे। बैठक में किसान हितेषी योजनाओं के साथ- साथ किसानों को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने पर भी चर्चा होगी । उक्त बैठक में शामिल होने के लिए मंगलवार को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित मार्कफेड के प्राधिकारी(अध्यक्ष) श्री द्विवेदी दिल्ली रवाना हुए ।

कुसमुंडा परिक्षेत्र में 20,000 पौधों का सफल रोपण

रायपुर, 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम ने कोरबा जिले के कुसमुंडा परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम गनगेई में वृक्षारोपण का एक सफल अभियान पूरा किया है। वर्ष 2024 में लगभग 10 हेक्टेयर राजस्व भूमि पर 20 हजार पौधों का रोपण किया गया। यह कार्य वन विकास निगम और औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल, कोरबा के सहयोग से किया गया। खदान क्षेत्र में भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण वृक्षारोपण के लिए गांव की खाली राजस्व भूमि का चयन किया गया। यहां शीशम, सिसौ, जामुन, आंवला, अमरूद, गंगा इमली, बादाम, बांस, अर्जुन, करंज, पीपल, बरगद, कटहल, आम, हर्रा, बहेरा, कचनार, चिरौंजी और सहजन जैसे फलदार एवं उपयोगी पौधे लगाए गए। शुरुआत में ग्रामीणों को आशंका थी कि वृक्षारोपण के बाद भूमि पर उनका अधिकार समाप्त हो जाएगा या पशुओं के लिए चारा उपलब्ध नहीं रहेगा। इस पर वन विभाग ने ग्राम पंचायत की बैठक आयोजित कर लोगों को समझाया कि पांच वर्ष बाद यह भूमि पुनः पंचायत को सौंप दी जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया कि बड़े होने पर पेड़ों से छाया, फल, चारा और लकड़ी मिलेगी तथा गांव में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ग्रामीणों ने इस योजना को समझा और सहयोग दिया। पंचायत की सहमति के बाद वृक्षारोपण का कार्य शुरू हुआ। रोपण से लेकर रखरखाव तक सभी कार्य चरणबद्ध तरीके से किए गए। पौधों की सुरक्षा, सिंचाई और देखभाल पर विशेष ध्यान दिया गया।

बजट में आंकड़ों का विस्तार, बिलाईगढ़ पुनः उपेक्षित: चंद्रदेव राय

सारंगढ़ 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ में प्रस्तुत राज्य बजट पर बिलाईगढ़ के पूर्व विधायक एवं पूर्व संसदीय सचिव श्री चंद्रदेव राय गुरुजी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह बजट समावेशी विकास का दावा तो करता है, किंतु ज़मीनी संतुलन और क्षेत्रीय न्याय के मूल प्रश्नों पर मौन है। उनके अनुसार यह बजट आंकड़ों की बाज़ीगरी और प्राथमिकताओं के असंतुलन का दस्तावेज़ प्रतीत होता है।

चंद्रदेव राय गुरुजी ने कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि समर्थन मूल्य, सिंचाई विस्तार, कृषि प्रसंस्करण और भंडारण संरचना के लिए प्रावधानों की घोषणा तो की गई है, लेकिन न तो स्पष्ट समयसीमा बताई गई है और न ही क्षेत्रवार प्राथमिकता तय की गई है। किसान को केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि लागत में राहत और आय में स्थायित्व की आवश्यकता है।

रोजगार और कौशल विकास के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उल्लेख अवश्य है, किंतु प्रत्यक्ष सरकारी नियुक्तियों की संख्या, विभागवार रिक्त पदों की पूर्ति तथा समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया पर कोई स्पष्टता नहीं है। प्रदेश का युवा अब केवल आश्वासन से संतुष्ट नहीं होगा; उसे ठोस अवसर और पारदर्शी व्यवस्था चाहिए।

पूर्व विधायक राय ने कहा कि बजट का कुल आकार बढ़ाना ही विकास का प्रमाण नहीं होता। वास्तविक कसौटी यह है कि किन क्षेत्रों को प्राथमिकता मिली और किन्हें लगातार नज़रअंदाज़ किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों से अनुसूचित जाति बाहुल्य बिलाईगढ़ क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। बड़े-बड़े वादों के बावजूद अधोसंरचना परियोजनाओं को अपेक्षित स्वीकृति नहीं मिली और शिक्षा, स्वास्थ्य व सिंचाई से जुड़े लंबित प्रस्तावों को भी गति नहीं दी गई।

उन्होंने बताया कि बिलाईगढ़ क्षेत्र में सड़क उन्नयन, पेयजल विस्तार, लघु सिंचाई परियोजनाएं तथा शैक्षणिक संस्थानों के सुदृढ़ीकरण जैसे मुद्दे लगातार उठाए जाते रहे हैं, किंतु बजट प्रावधानों में उनका स्पष्ट प्रतिबिंब दिखाई नहीं देता। यदि अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों को समान अवसर और संसाधन नहीं मिलेंगे, तो सामाजिक न्याय की अवधारणा केवल भाषणों तक सीमित रह जाएगी। चंद्रदेव राय गुरुजी ने राजस्व अनुमान और व्यय क्षमता पर भी प्रश्न उठाते हुए कहा कि यदि आय के अनुमान यथार्थपरक नहीं हैं, तो विकास कार्यों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। बजट का मूल्यांकन तालियों से नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले परिणामों से होगा। अंत में उन्होंने कहा कि जब बजट की कड़ियों को जोड़ा जाता है तो तस्वीर साफ दिखती है घोषणाओं का विस्तार है, पर क्षेत्रीय न्याय का संतुलन नहीं। छत्तीसगढ़ को भाषण नहीं, परिणाम चाहिए और बिलाईगढ़ को उसका हक तथा सम्मान मिलना चाहिए।

महिला के अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने 48 घंटे में सुलझाई

पति ने दोस्त के साथ मिलकर की पत्नी की हत्या

- ग्राम भैंसरा स्थित बाबा आम बगीचा में मिली थी एक अज्ञात महिला की लाश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ 25 फरवरी। अछोली सुखा नाला से लगे बाबा आम बगीचा में महिला के सिर पर पत्थर से कुचलकर मौत के घाट उतारने वाले आरोपियों को पुलिस ने वारदात के अंजाम देने के बाद 48 घंटे के भीतर ही पकड़ कर अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने में सफलता मिली है। पुलिस से मिले प्रेस नोट के माध्यम से बताया गया कि 22 फरवरी दिन रविवार को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भैंसरा, बाबा आम बगीचा में नदी के पास एक अज्ञात महिला उम्र लगभग 35-40 वर्ष की किसी अज्ञात आरोपी द्वारा पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई है। सूचना पर थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 92/2026 धारा 103(1) 61 (2), 238 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त घटना क्रम की सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई जिस पर प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक महोदया सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय कीर्तन राठौर* के मार्गदर्शन में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक एवं अलेक्जेंडर किरो उप पुलिस अधीक्षक साइबर सेल द्वारा घटना स्थल पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना ककी गंभीरता को देखते हुये टीम बनाकर जिसमें थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक संतोष जायसवाल एवं साइबर सेल निरीक्षक विनय कुमार पम्मार के नेतृत्व में थाना डोंगरगढ़ स्टाफ एवं साइबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल अज्ञात मृतक के संबंध में हरसंभव पतासाजी प्रारंभ की गई। पतासाजी के दौरान मृतिका की पहचान पुर्णिमा नेताम पति सुनील कुमार नेताम उम्र 35 वर्ष निवासी रविदास नगर/मायका ग्राम चौथना थाना डोंगरगढ़ राजनांदगांव के रूप में की गई। वहीं पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की पतासाजी के संबंध में उसके पति सुनील नेताम के संबंध में जानकारी एवं पूछताछ किया गया तो पता चला की घर पर नही है घटना के बाद से ही उसका मोबाईल बंद है। संदेह के आधार पर सुनील वंजारी की पतासाजी किया गया तो पता चला की मूलतः दल्लीराजहरा की रहने वाला है। जिस पर एक पुलिस टीम वहां भेजने पर पता चला कि वो वहां से भी फरार है। पुलिस द्वारा फरार आरोपी की पतासाजी हेतु लगातार बालोद जिला व राजनांदगांव जिलों के विभिन्न क्षेत्रों में गहन सर्च अभियान चलाया, संभावित स्थानों पर दबिश दी गई। जिसके फलस्वरू आरोपी की उपस्थिति डोंगरगांव में होने की जानकारी मिली जिस पर साइबर सेल व थाना डोंगरगढ़ टीम को डोंगरगांव भेजकर आरोपी सुनील को घेराबंदी कर पकड़ा एवं पुलिस अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर घटना करना स्वीकार किया गया और बताया कि साथ में सहयोगी ज्योतिष नेताम भी था। घटना करने के बाद सुनिल अपने खून लगे कपडे को साक्ष्य छुपाने के लिये दोस्त नीलकंठ साहू को जलाने के लिये देने की बात बताया। वहीं बताया गया कि 21 फरवरी की शाम को पत्नी को ग्राम भैंसरा स्थित बाबा आम बगीचा में ले जाकर पत्थर से सिर पर प्राणघातक हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से खून से सने कपड़ों को नीलकंठ साहू को देकर नष्ट करा दिया। आरोपी सुनील कुमार नेताम, ज्योतिष सिंह नेताम एवं नीलकंठ साहू के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर तीनों आरोपियों को 24 फरवरी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड हेतु न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जा गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक संतोष जायसवाल, साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार पम्मार, थाना डोंगरगढ़ से उप निरीक्षक रोहित खुटे, सहायक उप निरीक्षक अनिल गहिने, प्रधान आरक्षक रूपेश देवांगन, आरक्षक किशन कुमार चंद्रा, नरेंद्र प्रजापति, मिलन, अशोक यादव, युगेंद्र देशमुख, अविलेश, लीलाधर एवं थाना साइबर से उनि0 नरेश बंजारे, सउनि. द्वारिका प्रसाद लाउत्रे, प्र0आर0 अनित शुक्ला, बसंत राव, आर0 प्रख्यात जैन, मनिष वर्मा, परिवेश वर्मा, पुनेश्वर साहू, हरिश ठाकुर, जीवन ठाकुर, अमित सोनी, धीरज डडसेना, हेमंत साहू, आदित्य सिंह, ओमराज साहू का विशेष योगदान रहा।

बजट विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में विजन डॉक्यूमेंट: रानी सौरभ जैन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 25 फरवरी। 2026 27 के संकल्प बजट का स्वागत करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की तिल्दा शहर मंडल की महिला मोर्चा अध्यक्ष रानी सौरभ जैन ने इसे विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में विजन डॉक्यूमेंट बताया उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव सहाय के नेतृत्व में प्रस्तुति यह बजट सर्वसमावेशी संतुलित और दूरदर्शी विकास की आधारशिला रखने वाला बजट है रानी जैन ने कहा कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत बजट प्रदेश को नई ऊर्जा और गति देगा उन्होंने बजट में घोषित पांच मुख्यमंत्री मिशन -एआई मिशन, खेल उत्कर्ष मिशन, पर्यटन विकास मिशन, अधोसंरचना मिशन और स्टार्ट अप -निपुण मिशन को युवाओं के लिए रोजगार कौशल विकास की और निवेश के नए अवसर सृजित करने वाला बताया उन्होंने कहा कि बजट में किसानों और महिला सशक्तिकरण को भी प्राथमिकता दी गई है

रोजगार सृजन के प्रमुख बिंदु

- MSME सपोर्ट: छोटे उद्योगों और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए 10,000 करोड़ का प्रावधान
- सेमीकंडक्टर उद्योग: 40,000 करोड़ का प्रावधान, जिससे नए रोजगार सृजित होंगे
- औद्योगिक क्लस्टर:2,000 करोड़ का प्रावधान, जिससे MSME को नई ताकत मिलेगी
- कृषि और पशुपालन: छोटे किसानों और पशुधन विकास के लिए प्रावधान
- डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर: एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (ABGC) के लिए कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना

बजट की प्रमुख बातें:

- कृषि और ग्रामीण विकास: किसानों के लिए नई योजनाएं और प्रोत्साहन
- शिक्षा और स्वास्थ्य: शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष फोकस, नए मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज की स्थापना
- परिवहन और बुनियादी ढांचा: सड़क निर्माण और मेट्रो रेल के लिए बजट का प्रावधान
- महिला और युवा कल्याण: महिलाओं और युवाओं के लिए नई योजनाएं और प्रोत्साहन
- उद्योग और रोजगार: औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस किया गया है

2 शराब कोचियों के विरुद्ध चौकी मोहारा पुलिस ने की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ /मोहारा 25 फरवरी। जिले भर में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दो शराब कोचियों को अवैध शराब के साथ रंगे हाथ पकड़ने में चौकी मोहारा पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है। इसी कड़ी में उप निरीक्षक सुमेंद्र कुमार खरे चौकी प्रभारी मोहारा के नेतृत्व में मुखबीर सूचना के आधार पर आरोपीगण को ढारा के आरोपी ऊधोराम के खेत के पास से अवैध रूप से शराब परिवहन करते पाये जाने से आरोपी ऊधोराम टांडेकर पिता स्व बहादुर टांडेकर उम्र 57 साल पता ग्राम ढारा चौकी मोहारा, करन सिन्हा पिता नन्हू सिंहा उम्र 19 साल पता ग्राम मुढ़ीपार थाना के कब्जे से 52 पौवा जम्मू स्पेशल व्हिस्की शराब कीमती 62 सौ रूपये जप्त कर एवं अवैध शराब परिवहन के लिए उपयोग किया गया स्कूटी कीमती 80 हजार जप्त कर आरोपगणों के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्व कर विवेचना में लेकर आरोपीगण को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से जेल दाखिल किया गया है उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक सुमेंद्र कुमार खरे चौकी प्रभारी मोहारा, स उ नि सुमन कर्ष, प्रधान आर.महादेव साहू, आरक्षक ऋषि मानिकपुरी ,मनी ठाकुर, की सराहनीय भूमिका रही।

वार्ड के लोगों ने गली में अतिक्रमण पर रोक लगाने की मांग की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 25 फरवरी। बुधवारी पारा वार्ड नं 15 में डॉक्टर सचदेवा के घर के सामने गली में सड़क को घेरकर मकान बनाने की शिकायत सामने आई है। जिसकी शिकायत वार्डवासियों के द्वारा नगर पालिका में किया गया है। वहीं वार्डवासियों के द्वारा बताया गया कि गौरा चौरा से सचदेवा डाक्टर के घर के तरफआने वाले गली में अतिक्रमकारियो के द्वारा गलत तरीके से मकान बना कर गली को घेरने का प्रयास कर गली को सकरी करने जैसा कार्य किया जा रहा है जबकि गली में इमरजेंसी 112 सहित एम्बुलेंस सहित अन्य चारपहिया वाहन आसानी से आवागमन करती है परन्तु गली के सड़क पर अवैध तरीके से मकान निर्माण करने से गली सकरी हो जाएगी और निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के बाद वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जिसको ध्यान में रखते हुए नपा द्वारा तत्काल निर्माण कार्य पर रोक लगा अतिक्रमणकरियों को अपनी जमीन पर निर्माण कार्य कराने की समझाइश देकर जनहित में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है। वहीं इस विषय पर वार्ड के पार्षद मनोज साहू से दूरभाष पर चर्चा करने का प्रयास किया गया परन्तु फोन रिसीव नहीं होने के कारण प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो पाई है। वहीं दूसरी और नजूल शाखा अधिकारी ने बताया कि वार्ड वासियों की शिकायत के बाद अतिक्रमणकरियों को नोटिस तामिल कर अपने हद में निर्माण कार्य कराने की चेतावनी दी गई है।

बजट से प्रदेश के विकास को मिलेगी नई रफ्तार: विजेन्द्र सिंह ठाकुर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 25 फरवरी। विजेन्द्र सिंह ठाकुर ने छत्तीसगढ़ राज्य के वित्त मंत्री ओ पी चौधरी द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट का स्वागत करते हुए इसे प्रदेश के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग एवं छत्तीसगढ़ के प्रत्येक क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिससे विकास की गति और तेज होगी। विजेन्द्र सिंह ठाकुर ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह बजट किसानों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और कर्मचारियों सहित सभी वर्गों के हितों को साधने वाला है। उन्होंने कहा कि पर्यटन, कृषि, शिक्षा, नवाचार ,स्वास्थ्य, अधोसंरचना, उद्योग एवं ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं, जो छत्तीसगढ़ प्रदेश को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। विजेन्द्र सिंह ठाकुर ने आगे कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एवं राज्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार समन्वय के साथ छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। डबल इंजन की सरकार के कारण लगातार छत्तीसगढ़ में विकास योजना सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं एवं उसका सीधा लाभ किसानों , युवाओं , महिलाओं , छात्र-छात्राओं, सहित आम जनता को मिल रहा है। विजेन्द्र सिंह ठाकुर ने विश्वास व्यक्त किया कि बजट से छत्तीसगढ़ में निवेश को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा मूलभूत, संरचनाओं के विस्तार से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की दूरी कम होगी। ठाकुर ने कहा कि यह बजट विकास, विश्वास एवं समृद्धि का प्रतीक है, जो छत्तीसगढ़ को प्रगति के पथ निरंतर आगे ले जाएगा।

छत्तीसगढ़ सरकार बजट थीम संकल्प

जनता के प्रति हमारी प्रतिबध्दता, निष्ठा, समर्पण व दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है :किरण साहू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 25 फरवरी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू ने प्रेस से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार की बजट को लेकर चर्चा की गई उन्होंने विस्तार से इस संबंध में बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार इस बार की बजट का थीम संकल्प है,जो कि जनता जनार्दन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को,निष्ठा को,समर्पण और दृदसंकल्प को रेखांकित करता है।गांवों के चौक चौराहों के लिए हाईमास्ट सोलर लाइट हेतु 35 करोड़ का प्रावधान किया गया है,वही प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय में सियानगुड़ी की स्थापना की जाएगी। जिसका संचालन सामाजिक संस्थानों के माध्यम से किया जाएगा। इस योजना के लिए भी 5 करोड़ रुपए का प्रावधान इस बजट में शामिल किया गया है। राजस्व कार्यों में पारदर्शिता ,सरलता और दक्षता लाने के लिए सरकार ने इस बजट में काफी सुधार किए है।

जिसमें स्वतः नामांतरण,ऑटो डायवर्शन, जियो रिफेरेसिंग इत्यादि शामिल है, श्रीमती किरण साहू ने आगे कह कि पी एम योजना के माध्यम से राज्य के लगभग 350 स्कूलों को मॉडल स्कूल बनाया जा रहा है, इसी तर्ज पर हमारी सरकार ने राज्य मे चरणबद्ध तरीके से विद्यालयों को आदर्श शैक्षणिक संस्था के रूप में विकसित करने की एक नई योजना ÷स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट शाला योजना÷ की शुरुवात करने जा रही है।श्रीमती किरण साहू ने कहा कि प्रदेश के चौमुखी विकास के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के लिए 80 करोड़ तथा माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साए के घोषणा के अनुरूप मध्यक्षेत्र विकास प्राधिकरण के लिए राशि 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया है,जिससे राज्य के ग्रामीण इलाकों का कायाकल्प होगा। विश्वास की कसौटी पर हमारी सरकार छत्तीसगढ़ को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

जनता के हितों की अनदेखी करने वाला बजट: इंद्र साव

भाटापारा 25 फरवरी। मंगलवार को वित्त मंत्री द्वारा पेश किये गये बजट से क्षेत्र के लोगों में ना केवल निराशा है बल्कि हर वर्ग के लोगों को हतोत्साहित करने वाला नीरस बजट है,उक्त बाते विधायक इन्द्र साव ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कही। विधायक इन्द्र साव ने अपनी बजट प्रतिक्रिया में कहा कि प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री द्वारा अपने लगातार तीसरे बजट से यह उम्मीद थी कि ऐसा बजट पेश करेंगे की प्रदेश को एक नई दिशा मिलेगी और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा परन्तु बजट से निराशा हुई । यह बजट कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले कृषकों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया। ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगारों के लिए बजट में रोजगार की कोई बात नहीं कही गई। यहाँ तक की महतारी वंदन योजना के लाभ से वंचित महिलाओं को फिर इस बार निराश किया गया,इस योजना से वंचित महिलाओं के नाम को पुनः जोड़ने जैसी घोषणा नहीं हुई। विधायक साव ने कहा कि इस बजट में भाटापारा विधान सभा क्षेत्र के विकास और उसे सजाने संवारने के लिए कोई महत्वपूर्ण घोषणा ना होना क्षेत्र की जनता के हितों की अनदेखी है।क्षेत्र के छात्रों को भी इस बार फिर निराशा हाथ लगी है,उनकी उम्मीदों और उनके सपनों को इस बजट ने ना केवल निराश किया बल्कि उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में और पीछे धकेल कर अन्य नगरों कस्बों की ओर जाने बाध्य कर दिया। संतावन हज़ार शिक्षकों के रिक्त पदो के लिए बजट में मात्र पाँच हजार भर्ती का उल्लेख

ऊँट के मुँह में जीरा के समान है द्य अवैध शराब एवं अन्य नशीली पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए कोई प्रावधान नही किया गया है। इस बजट में भी लोक सेवकों के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए कोई बात नही की गई है।विधायक श्री साव ने कहा कि सरकारी दफ्तरों को चलाने के लिए स्थापना बजट का भी कोई प्रावधान नहीं किया गया है,जिससे सरकार की कथनी और करनी को उजागर करता है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बने उप जेल के लिए जेल कालोनी बनाए जाने,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय और अपर कलेक्टर कार्यालय चलाने के लिए अब तक स्टाफ भी स्वीकृत नहीं किया गया और ना ही स्थापना व्यय राशि का प्रावधान किया गया है। डबल इंजन की सरकार का ढोंग आज क्षेत्र की जनता को दिख गया और समझ आ गया कि भाजपा की कथनी और करनी में इतना अंतर है कि भाटापारा का विकास करना नहीं चाहते। विधायक इंद्र साव ने कहा कि चिकित्सा सेवा में जाने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह बजट बेमानी वाला साबित हुआ, मेडिकल की पढ़ाई करने मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग यहां अनवरत छात्र गण और उनके परिजन कर रहे है लेकिन इस बार फिर मेडिकल कॉलेज की घोषणा ना होने से छात्रों को मायूस होना पड़ा है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर संभाग क्र.-1 रायपुर

मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञप्ति क्रमांक 1156/एन.आई.टी.-16/टी.सी./25-26/ रायपुर, दिनांक 23/02/2026

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)
1	SR/MOW Work and Small Deposit Works in Section No-4 under PWD Sub Division No-1 Raipur	9.90
2	SR/MOW and Small Deposit Works at Bunglow at Civil Line Under Section No-4 PWD Sub Division No1 Raipur CG	10.00

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि-16.03.2026

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur/ में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1
रायपुर

जी-252606888/4

एक नजर

सड़क दुर्घटना में दो आरक्षकों की मौत

रायपुर, 25 फरवरी। बलौदाबाजार जिले में भीषण सड़क हादसे में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। ड्यूटी पर जाते समय तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में आरक्षक धर्मेंद्र यादव और प्रशांतधर दीवान ने जान गंवा दी। घटना सुबह करीब 11 बजे थाना हथबंद क्षेत्र के उडेला-पौसरी के पास हुई। दोनों जवान एक ही बाइक से ड्यूटी के लिए निकले थे, तभी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। आरक्षक धर्मेंद्र यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वे वर्तमान में साइबर सेल में पदस्थ थे और ग्राम परसबोड, थाना साजा, जिला बेमेतरा के निवासी थे। वहीं गंभीर रूप से घायल आरक्षक प्रशांतधर दीवान को रायपुर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। वे थाना हथबंद में पदस्थ थे और नवागढ़, जिला बेमेतरा के रहने वाले थे।

शंकराचार्य को षडयंत्रपूर्वक फंसाया जा रहा : तिवारी

रायपुर, 25 फरवरी। संदीप तिवारी ने कहा है कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरा नंद के ऊपर यौन शोषण जैसे घिनौने आरोप लगाना और उत्तर प्रदेश सरकार की चुप्पी समझ से परे है शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद लगातार हिंदू और सनातन धर्म को बचाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं और वही भारत देश में गौ हत्या बंद हो इसके लिए सरकार की आलोचना भी कर रहे हैं आज उसी का परिणाम है कि उनके खिलाफ षडयंत्र पूर्वक यौन शोषण जैसे घिनौने आरोप लगाए गए हैं। संदीप तिवारी ने कहा कि देश एवं प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी के चाल-चरित्र को समझ चुकी है, खासतौर पर अब एक बड़ा हिंदू समुदाय भारतीय जनता पार्टी के खिलाफहो चुका है। गौ माता के मांस का व्यापार करने वालों से चंदा लेने वाली पार्टी सनातन होने की बात करती है और इनके इस रूप को जो वास्तविक सनातनी हैं वो अब समझ चुके हैं। सनातन की बात करने वाले बांग्लादेश में हिंदुओं की मौत पर चुप्पी साधे बैठे हैं जबकि वहाँ लगातार हिंदुओं को कत्लेआम किया जा रहा है लेकिन देश की केन्द्र सरकार कार्यवाही के नाम पर आज तक किसी भी प्रकार की पहल नहीं की है।

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण

रायपुर, 25 फरवरी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज जिला चिकित्सालय पंडरी का निरीक्षण कर दवाइयों की उपलब्धता एवं भंडारण व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवाइयों का स्टॉक रजिस्टर देखा तथा स्टोर में मौजूद दवाइयों का भौतिक मिलान कराया। कलेक्टर ने स्टॉक रजिस्टर में दर्ज आंकड़ों और वास्तविक उपलब्ध दवाइयों की स्थिति की तुलना कर रिकॉर्ड संधारण प्रणाली की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी दवाओं का विवरण रजिस्टर के साथ-साथ कंप्यूटर में भी व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जाए, ताकि स्टॉक की अद्यतन स्थिति तत्काल उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान एक्सपायर्ड दवाइयों के संबंध में भी जानकारी ली गई। कलेक्टर डॉ. सिंह ने निर्देशित किया कि E&pired दवाइयों का निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित एवं विधिवत निष्पादन किया जाए।

नेता प्रतिपक्ष ने उठाया एसटीपी निर्माण का मुद्दा

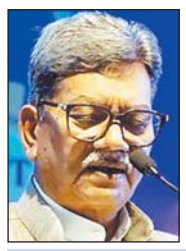

रायपुर, 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण का मुद्दा उठाया. उन्होंने गलत जानकारी देकर गुमराह करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. इस पर मंत्री अरूण साव ने परीक्षण कराकर आगे की कार्रवाई की बात कही.

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने प्रश्नकाल के दौरान सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर कहा कि 2 बार संशोधन कर जवाब भेजे गए. पहले 26 बताया गया? था फिर संख्या 21 भेजी गई. इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि ये सही है कि बाद में संशोधित उत्तर उपलब्ध कराया है.

उन्होंने कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार मिलकर पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं. 12 नगरीय निकायों में 21 एसटीपी स्वीकृत है. 68 नगरीय निकायों में 96 एसटीपी की स्वीकृति है. इस पर नेता प्रतिपक्ष महंत ने कहा कि मेरे क्षेत्र

» गलत जानकारी देने वाले अधिकारियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

में एसटीपी प्लांट को लेकर जानकारी मांगी और हर बार प्रक्रियाधीन होने का जवाब आया. हर बार उत्तर गलत आता है.

ये जो गुमराह करने वाले अधिकारी बैठे हैं, उनके लिए किस तरह के ईनाम या सजा का प्रावधान है. मंत्री अरूण साव ने परीक्षण कराकर कार्रवाई की बात कही.

व्यापार एवं उद्योग के लिए छत्तीसगढ़ में बना है अनुकूल माहौल : मुख्यमंत्री

रायपुर, 25 फरवरी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी स्थित बीटीआई मैदान में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि के साथ-साथ व्यापार एवं उद्योग के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है, जिसका परिणाम है कि व्यापारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि राज्य में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष चल रहा है और दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। पहले वर्ष प्रस्तुत बजट का थीम ज्ञान था, जिसमें जी का अर्थ गरीब, वाय का अर्थ युवा, ए का अर्थ अन्नदाता किसान और एन का अर्थ नारी था तथा इन सभी वर्गों के विकास पर विशेष फोकस किया गया था। दूसरे वर्ष उसी विकास को गति देने के उद्देश्य से बजट का थीम गति रखा गया, जबकि इस वर्ष का बजट थीम संकल्प है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को आत्मसात करते हुए तैयार किया गया है और पूरे प्रदेश के हित में है। उन्होंने बताया कि इस बजट में विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा क्षेत्र पर किया गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र केरल राज्य से भी बड़ा क्षेत्र है और प्राकृतिक रूप से अत्यंत सुंदर है, जिसे धरती का स्वर्ग कहा जा सकता है, लेकिन चार दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र विकास से अछूता रहा।

राजधानीवासी खारून का दूषित पानी पीने के लिए मजबूर, विधायक राजेश मूणत ने लगाया आरोप

रायपुर, 25 फरवरी। विधानसभा में आज राजधानीवासियों को खारून का दूषित पानी पीने के लिए मजबूर करने वाले दोषियों अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर विधायक राजेश मूणत ने विधानसभा में नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि खारून नदी के पास एचटीपी लगाने के लिए सरकारी जमीन को छोड़कर अन्य जगह लगाया जा रहा है। जिसके कारण खारून नदी प्रदूषित हो रही है। नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव ने कहा कि खारून नदी के पास 81 करोड़ रूपए खर्च कर 75 एमएलडी क्षमता का एचटीपी का निर्माण किया गया है। चिंगरी नाला का दूषित जल नाले में बनाए गए पीकअपएयर से ओव्हर फ्लो होकर नदी में प्रवाहित हो जाता है। चिंगरी नाला का लाइनिंग एवं अप्रोच नहीं होने तथा फिल्टर की सफाई की समस्या बाधित करने से ओव्हर फ्लो की समस्या निर्मित हो रही है। विधायक राजेश मूणत ने आरोप लगाया कि 11 एकड़ शासकीय जमीन में यह प्लांट लगाया जाना था, लेकिन इसे अन्यत्र लगा दिया गया है। ऐसे दोषी अधिकारी पर क्या कार्यवाही की जाएगी। नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव ने बताया कि मुख्य अभियंता नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है।

PICTURE-स्टोरी

राजधानी में नहीं रुक रही है शराब की अवैध बिक्री

रायपुर, 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 23 जनवरी से पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू होने के बाद नशे के खिलाफपुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की बात कही थी। जिसके बाद बार रेस्टोरेंट की समय सीमा कर उन्हें हिदायत दी गई थी कि किसी भी तरह से अनियमितता बर्दाश्त नही की जाएगी।

रायपुर में पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा तस्करी, सूखा नशा के खिलाफताबड़तोड़ कार्रवाई तो की जा रही है। लेकिन अवैध शराब की बिक्री रुक नही रही है। अब सवाल उठता है कि पुलिस की इतनी सख्ती के बाद भी शराब कोचिया आखिर बड़ी मात्रा में शराब लाते कहां से हैं। छत्तीसगढ़ में अवैध शराब की बिक्री और कोचियों (अवैध विक्रेताओं) को बढ़ावा मिलने की खबरों के बीच आबकारी विभाग भी सख्त कदम उठा रहा है। लेकिन प्लेसमेंट एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा ही कोचियों को शराब उपलब्ध कराई जा रही है।

राजधानी रायपुर के अमलीडीह (राजेंद्र नगर) की शराब दुकान का ये एक वीडियो है, जिसमे साफदिखाई दे रहा है कि एक व्यक्ति बड़े थैले में तय लिमिट से अधिक शराब बड़े बैग भर रहा है, और उसके बाद शराब दुकान के सामने ही भारी भरकम बैग को बेखौफउठाकर ले जा रहा है। इससे ये साफ समझा जा सकता है कि राजधानी में शासकीय शराब दुकानों से ही कोचियों को शराब उपलब्ध कराई जा रही है। अब देखना होगा कि पुलिस और आबकारी विभाग इसपर क्या कार्रवाई करते हैं।

औषधि पादप बोर्ड उपाध्यक्ष शुक्ला का धरसींवा मण्डल में स्वागत

रायपुर, 25 फरवरी। राज्य आदिवासी स्वास्थ परंपरा औषधि पादप बोर्ड का उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला का धरसींवा मण्डल में भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने मण्डल के देवस्थानों में दर्शन पूजा कर कार्यकर्ताओं से भेंट की।

धरसींवा मण्डल के सभी बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी सभी मोर्चा मंडल के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। उन्होंने ग्राम तेंदुआ में शीतला महामाई माता मन्दिर में पूजा से अपना दौरा शुरू किया। चरोदा के शिव मंदिर में अभिषेक पूजा कर धरसीवा के हनुमान मंदिर में पूजा सहित निर्माणाधीन मन्दिर का अवलोकन भी किया। इस कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष राकेश यादव नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद साहू मण्डल के महामंत्री दिलीप साहू महिला मोर्चा अध्यक्ष किरण साहू उपाध्यक्ष कौशल साहू पार्षद मोहन प्रजापति ईश्वर यादव जगमोहन धृतलहरे भूपेंद्र कसार दुर्गेश अग्रवाल काशी देवांगन प्रकाश देवांगन अंजलि गुप्ता हेमिन बाई साहू झगनु साहू कैलाश साहू लाता निषाद पितोष साहू सुरेंद्र शर्मा विजय अग्रवाल गोपाल अग्रवाल फजिल खान सहित मण्डल एव नगर पंचायत के वरिष्ठ कार्यकर्ता सहित युवा मोर्चा के पदाधिकारियों एवं महिला मोर्चा के कार्यकर्ता सहित ग्रामजन उपस्थित रहे। सिलियार में पंहुचने पर मंडल महामंत्री अशोक साहू सरपंच श्रीमती साहू कोषाध्यक्ष युवा मोर्चा विकास शर्मा वंही उसके बाद मंगस सरपंच निषाद उपस्थित रहे। बंगोली मंडल में स्थित मां बंजारी शक्तिपीठ में पूजा अर्चना कर मातारानी से आशीर्वाद लेकर कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात की।

प्रदूषण के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

रायपुर, 25 फरवरी। शहर में लगातार बढ़ते प्रदूषण एवं काले डस्ट की समस्या को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर के नेतृत्व में हीरापुर स्थित पर्यावरण कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण विभाग की निष्क्रियता और उदासीन रवैये के खिलाफजमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता अपने अपने घरों में सनी काले धूल से ढके सफेद कपड़े साथ लेकर पहुंचे और उसे दिखाकर यह प्रमाणित किया कि शहर में प्रदूषण की स्थिति कितनी भयावह हो चुकी है। कांग्रेस ने कहा कि यह केवल कपड़ों पर जमी धूल नहीं, बल्कि प्रशासन की लापरवाही का काला सच है।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने शहर में लगातार बढ़ते प्रदूषण और काले डस्ट की भयावह स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रायपुर आज प्रदूषण की गिरफ्त में है और जिम्मेदार विभाग आंख मूंदकर बैठा है। उन्होंने कहा कि एम्स और मेकहरा के डाटा से यह साबित हो रहा है कि प्रदूषण के कारण लंग कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अस्पतालों में श्वास संबंधी बीमारियों के मरीजों की कतार लंबी होती जा रही है। छोटे छोटे बच्चों में दमा की समस्या आम बात हो गई है, जो बेहद चिंताजनक है। यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का गंभीर संकट है।

इस प्रदर्शन में प्रमोद दुबे कुलदीप जुनेजा पंकज शर्मा सुधा सरोज ममता राय हीरेंद्र देवांगन दिलीप सिंह चौहान श्रीनिवास राहुल इंदुरिया देव कुमार साहू प्रकाश जगत मनीराम साहू प्रशांत ठेंगड़ी गंगा यादव प्रगति वाजपेयी हाजरुन बानो कमल धृतलहरे सुजीत सिह किशन बाजारी नरेंद्र ठाकुर अनुराम साहू राजेंद्र साहू गजेंद्र कुमार राजू साहू दीपक चौबे वेंकट कुमार रवि थॉमस ईश्वर चक्रधारी सुखदेव सिंह पम्मी चोपड़ा सोहन शर्मा राज देवांगन सागर टांडी अभिनय दुबे मुन्ना मिश्रा मोहम्मद नियाज जगदीप कौशिक दिवाकर साहू आकाश दीवान सुशांत डे रुबल मेहता डूमेंद्र दीप सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टिप्पणी कैट के टूरिज्म एवं एकल खिड़की के सुझावों को बजट में स्थान देने पर राज्य सरकार का आभार

विजन-2047 की दिशा में सर्वांगीण विकास का बजट : कैट

रायपुर, 25 फरवरी। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरिंदर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, राम मंधान, वासु मखीजा, भरत जैन, राकेश ओचवानी तथा शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी एवं संतुलित बजट है।

'विकसित छत्तीसगढ़' का रोडमैप : चेम्बर

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट का स्वागत करते

हुए इसे राज्य की 3 करोड़ जनता, विशेषकर उद्योग एवं व्यापार जगत की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब बताया है। उन्होंने कहा कि ?1.72 लाख करोड़ का यह दूरदर्शी एवं संतुलित बजट संकल्प की भावना के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का सशक्त रोडमैप प्रस्तुत करता है। प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चैधरी छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट का छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने स्वागत किया है। थौरानी ने मुख्यमंत्री साय व वित्त मंत्री चैधरी का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह बजट सुशासन, पारदर्शिता, निवेश प्रोत्साहन और औद्योगिक विकास के माध्यम से राज्य को आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की दिशा में अग्रसर करेगा। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत श्र2047 के विजन से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ को नई औद्योगिक ऊँचाइयों पर ले जाने का सामर्थ्य रखता है।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुंचाने वाला बजट: बृजमोहन

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग महिला, किसान, युवा, मजदूर और गरीब को साथ लेकर चलने वाला है। खाद्यान्न योजना से लेकर महतारी सदन, मेडिकल कॉलेज से लेकर उद्योग और सड़क विकास तक हर क्षेत्र में मजबूत प्रावधान यह साबित करते हैं कि सरकार केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि ठोस क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण की ठोस आधारशिला है।

सर्वस्पर्शी बजट : अशोक बजाज

भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने कहा कि यह बजट सर्वस्पर्शी है जो समाज के सभी वर्ग, महिला, किसान, युवा, उद्यमी की महत्वाकांक्षाओं को ध्यान में रख कर तैयार किया गया है। बजट के माध्यम से विष्णु सरकार ने यह साबित कर दिया है कि बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि सरकार की भागीदारी, संपत्ति और विकास की दृष्टि का पृष्ठ को दर्शाती है साय सरकार छत्तीसगढ मे आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेजी पर जोर दे रही है।

बजट से महिलाओं में निराशा घर चलाना मुश्किल : दीप्ति

रायपुर, 25 फरवरी। छत्तीसगढ़ के बजट में महिला सुरक्षा व उच्च शिक्षा के नाम पर हवाहवाई घोषणा कर भाजपा सरकार ने सामान्य वर्ग को मुंगेरीलाल के हसीन सपने दिखाए हैं। कांग्रेस की महापौर प्रत्याशी रहीं दीप्ति प्रमोद दुबे ने कहा कि बजट नई बोतल में पुरानी शराब है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने गत वर्ष के बजट में जो-जो घोषणाएं की थी उनमें से अधिकतर हकीकत के जमीन पर नजर नहीं आ रही है। इस बार के बजट में सामान्य वर्ग की महिलाएं विद्यार्थी तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए किसी तरह की कोई योजना या राह नहीं है। हॉस्टल से लेकर शिक्षा तक में सामान्य वर्ग की उपेक्षा की गई है। यह बेहद दुखद है। जब सामान्य वर्ग के हितों व जरूरतों का बजट में समावेश ही नहीं है तो फिर इसे कैसे समावेशी बजट कहा जा सकता है। दीप्ति दुबे ने कहा कि महिलाओं व आमलोगों की सुरक्षा की कोई गारंटी

नहीं है। सुरक्षा को लेकर कोई बात नहीं की गई है। जबकि रात नौ बजे भी लोग ऑटो से घर जाने में डरते हैं। जयस्तंभ चौक तक में अपराध हो रहे हैं जबकि इसे राजधानी का हृदय स्थल कहा जाता है। दुर्भाग्य है कि इस भीड़भाड़ वाले स्थान पर ही असुरक्षित महसूस करते हुए हृदय भय में धड़कता है। रविवि से पीएचडी करने के लिए एचओडी नहीं होने के कारण निजी विश्वविद्यालयों में दस से पन्द्रह लाख रुपए खर्चना पड़ता है। बिजली का बिल आसमान छू रहा है। घर का बजट बिगड़ गया है। हर माह खर्च बढ़ रहा है। इस दिशा में भी बजट में ध्यान नहीं दिया गया है। इस बजट ने महिलाओं की उम्मीद पर पानी फेर दिया है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26